NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 344 लखनऊ, बुधवार 12 अगस्त 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा... स्वतंत्रता सेनानियों को दें श्रद्धांजलि - पीएम मोदी

एजेंसी।
दिल्ली। 15 अगस्त को होने वाले 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले हुआ। इससे पहले संसद भवन परिसर में मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की साप्ताहिक संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने पर राजग सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होने और स्वतंत्रता दिवस से पहले इसे हर घर में एक उत्सव की तरह मनाने का आग्रह किया। मोदी ने इंस्टाग्राम पर इस कैंपेन से जुड़ा एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, आइए, #HarGharTiranga को हर घर में एक उत्सव बनाएं। यह 15 अगस्त को होने वाले 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले हुआ। इससे पहले संसद भवन परिसर में मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की साप्ताहिक संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने पर राजग सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। संसद भवन पुस्तकालय स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित इस 'मंगल मिलन' बैठक

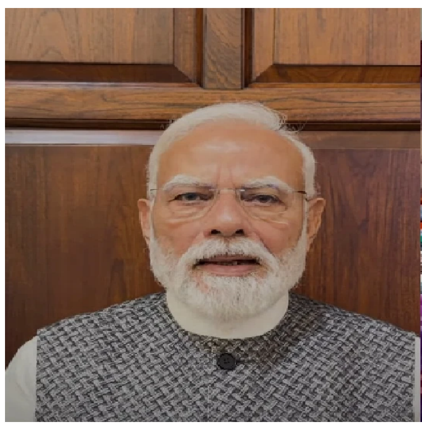

में केंद्रीय मंत्रियों, राजग नेताओं और गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री के सभागार में पहुंचते ही मंत्रियों और सांसदों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए उनका अभिनंदन किया तथा 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। राजग के घटक दलों के नेताओं में जद(एस) के एचडी कुमारस्वामी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरपीआई (ए) के रामदास आठवले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय सहित अन्य मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक आयोजित की जाती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को संपन्न होगा। बैठक के तुरंत बाद, राजग सांसदों ने संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां उनका आमना–सामना विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों से हुआ, जो विरोध–प्रदर्शन कर रहे थे। एक ओर, जहां सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों पर पुलिस की ''बर्बर'' कार्रवाई और देश के अलग–अलग हिस्सों में छात्रों के विरोध–प्रदर्शन के मुद्दे पर संसद में चर्चा से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित तौर पर ''भागने'' का विरोध करते हुए नारे लगाए। वहीं दूसरी ओर, विपक्षी दलों के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से कथित चढ़ावा चोरी पर संसद में चर्चा और प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली में 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे।

सांसद जी आज भाषण नहीं दिए, लगता है दावत... सीएम योगी ने रविकिशन पर ली चुटकी

संवाददाता।
लखनऊ/गोरखपुर में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के बारे में बात करते हुए योगी ने कहा कि कनेक्टिविटी में जबरदस्त बदलाव आया है। एक दशक पहले जहाँ दिन में सिर्फ एक फ्लाइट चलती थी, वहीं अब शहर से 14 फ्लाइट्स चल रही हैं। इसके बाद उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे किशन की ओर ध्यान दिया मैं रवि किशन के बारे में हमेशा यही कहता हूँ। कोई नहीं बता सकता कि वह कब गोरखपुर में हैं और कब मुंबई में। अगर वह मुंबई में नाश्ता करते हैं, तो दोपहर का खाना गोरखपुर में खा लेते हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के सांसद और भोजपुरी स्टार रवि किशन पर मजाकिया अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई कनेक्टिविटी की वजह से अब कोई यह पता नहीं लगा सकता कि किशन किसी खास दिन गोरखपुर, मुंबई या दिल्ली में हैं। उनकी इस बात पर जोरदार ठहाके लगे। गोरखपुर में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के बारे में बात करते हुए योगी ने कहा कि कनेक्टिविटी में जबरदस्त बदलाव आया है। एक दशक पहले जहाँ दिन में सिर्फ एक फ्लाइट चलती थी, वहीं अब शहर से 14 फ्लाइट्स चल रही हैं। इसके बाद उन्होंने दर्शकों के बीच

बैठे किशन की ओर ध्यान दिया मैं रवि किशन के बारे में हमेशा यही कहता हूँ। कोई नहीं बता सकता कि वह कब गोरखपुर में हैं और कब मुंबई में। अगर वह मुंबई में नाश्ता करते हैं, तो दोपहर का खाना गोरखपुर में खा लेते हैं। और यहाँ बस अपनी झलक दिखाने के बाद, वह दिल्ली भी चले जाते हैं।योगी ने हँसी–मजाक के बीच कहा कि हवाई कनेक्टिविटी के बिना, ऐसा शेड्यूल बनाए रखना मुश्किल होता। इन बातों पर किशन और उनके आस–पास बैठे लोग जोर–जोर से हँसते हुए दिखे। 70 करोड़ रुपये की लागत से बनी 1.80 किलोमीटर लंबी 'ग्रीन सिटी रोड' (जो नेशनल हाईवे–24 को पटनिया होते हुए माधोपुर बांधा से जोड़ती है) के उद्घाटन के दौरान, योगी ने किशन पर फिर से चुटकी ली। उन्होंने कहा कि उस दिन सांसद ने कोई भाषण नहीं दिया। पता नहीं रवि किशन जी ने आज भाषण क्यों नहीं दिया। लगता है उन्होंने आप सभी को कुछ ज़्यादा ही दावतें खिला दी हैं। इसके बाद उन्होंने भीड़ से पूछा कि कितने लोगों ने किशन की दावत में हिस्सा लिया है, कितनों ने उनकी फिल्में देखी हैं, और कितनों ने ष्कालीबाड़ी के बाबाष फिल्म देखी है। भीड़ की प्रतिक्रिया सुनने के बाद, योगी ने हंसते हुए कहा कि यह दोनों के बीच बराबरी का मामला है। दोनों के बीच एक ऐसा सार्वजनिक तालमेल है जिससे कई बार ऐसे पल सामने आए हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं और यह योगी की आम तौर पर सख्त सार्वजनिक छवि से बिल्कुल अलग है। जुलाई 2025 में गोरखपुर नगर निगम के एक कार्यक्रम में, योगी ने रामगढ़ ताल इलाके में नाले के ऊपर घर बनाने के लिए किशन की खिंचाई की। उन्होंने मजाक–मजाक में चेतावनी दी कि अगर जलभराव हुआ, तो ष्उनके खिलाफ भी कार्रवाई पक्की है,ष और साथ ही सलाह दी कि सीवेज के सुचारू बहाव के लिए नाले से कुछ दूरी पर घर बनाना चाहिए।

बिहार मे प्रशांत किशोर की रोजगार क्रांति, बांकीपुर के 10,000 युवाओं को दिलाएंगे नौकरी, मांगा सीबी

एजेंसी।
पटना बिहार। प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव जीतने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र के 10,000 युवाओं को अगले एक–दो साल में नौकरी दिलाने का महत्वाकांक्षी वादा किया है। उन्होंने परिवारों से शिक्षित बेरोजगारों के CV अपने कार्यालय में जमा करने की अपील की है, जिससे वे अपने नेटवर्क का उपयोग कर निजी क्षेत्र में रोजगार दिला सकें, हालांकि सरकारी नौकरी की गारंटी नहीं दी गई है। जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने बिहार के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र में अगले एक–दो साल में कम से कम 10,000 युवाओं को नौकरी दिलाने में मदद करने का वादा किया है। उन्होंने परिवारों से अपील की है कि वे अपने पढ़े–लिखे लेकिन बेरोजगार बच्चों के ब्ट और बायोडाटा उनके ऑफिस भेजें। किशोर ने यह घोषणा मंगलवार को उपचुनाव जीतने के बाद बांकीपुर के अपने पहले दौरे के दौरान की। आभार व्यक्त करने के लिए किए गए इस दौरे के तहत, उन्होंने मतदाताओं से मुलाकात की और उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा कि वे देश भर की कंपनियों और लोगों के साथ अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करके योग्य युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाने में मदद करेंगे। हालांकि, किशोर ने साफ किया कि वे सरकारी नौकरी की गारंटी नहीं दे सकते और कहा कि कुछ युवाओं को काम के लिए शुरुआत में बिहार से बाहर जाना पड़ सकता है। चुनाव जीतने के बाद पांच–छह दिनों तक अपने चुनाव क्षेत्र से दूर रहने की आलोचना का जवाब देते हुए किशोर ने कहा कि मैं कहीं घूम नहीं रहा हूं। मैं आपके लिए काम कर रहा हूं।उन्होंने उन परिवारों से अपील की जिनके बच्चे पढ़े–लिखे तो हैं लेकिन बेरोजगार हैं, कि वे अपने CV

तैयार करें और उनके ऑफिस में जमा करें। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अगले एक–दो साल में बांकीपुर के कम से कम 10,000 परिवारों की मदद करना है ताकि उनके बच्चों को नौकरी मिल सके। किशोर ने कहा कि अगर बिहार में जन सुराज पार्टी सत्ता में आती है तो हालात बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पार्टी राज्य के भीतर ही रोजगार के इतने मौके पैदा करने पर ध्यान देगी कि युवाओं को नौकरी की तलाश में बिहार छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े।उन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र के लिए चार मुख्य प्राथमिकताएं भी तय कींरू रोजगार, शिक्षा, 1,100 रुपये की मासिक पेंशन और अनाज। यह घोषणा बांकीपुर उपचुनाव में किशोर की जीत के कुछ दिनों बाद की गई है ।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग शिकायतों के समाधान में रामपुर फिर अव्वल, शाहजहांपुर दूसरे और बरेली तीसरे स्थान पर

संवाददाता।
लखनऊ। योगी सरकार द्वारा पिछले साढ़े नौ वर्षों से प्रदेश में सुशासन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर धरातल पर साफ देखा जा सकता है। सीएम डैशबोर्ड की जुलाई माह की रैंकिंग में एक बार फिर रामपुर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं, शाहजहांपुर ने दूसरा और बरेली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। रामपुर, शाहजहांपुर और बरेली के जिलाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने यह उपलब्धि जनशिकायतों के प्रभावी निस्तारण, बेहतर फीडबैक और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधारात्मक पहल से हासिल किया है।रामपुर डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जिलों का मूल्यांकन कई मानकों के आधार पर किया जाता है। इसमें जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई, फीडबैक की गुणवत्ता और योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे पहलू शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले की 59 योजनाओं की मॉनीटरिंग की गई। इसमें से 56 कार्यक्रमों में जिले ने ए ग्रेड प्राप्त किया।जिले ने वैकल्पिक ऊर्जा, ऊर्जा, कृषि विभाग, समाज कल्याण, पंचायती राज, लोक निर्माण विभाग, नियोजन विभाग, ग्राम्य विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, मत्स्य विभाग, उद्योग विभाग, सहकारिता एवं सिंचाई के कार्यक्रमों में शत–प्रतिशत लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए ए श्रेणी प्राप्त की है।सीएम डैशबोर्ड की जुलाई माह की रैंकिंग में रामपुर को 10 में से 9.58 अंक प्राप्त हुए। इसी के साथ एक बार फिर रामपुर ने सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा रामपुर पिछले कई माह से सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में टॉप टेन में जिलों में बना हुआ है।शाहजहांपुर ने 9.43 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त कियाशाहजहांपुर के जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शाहजहांपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

सम्राट चौधरी ने भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, करोड़ों पेंशनर्स को बड़ी सौगात

एजेंसी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 11 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन' के सात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराते हुए बलिदान दिया था। इसी दिन उन्होंने श्पेंशन दिवसश पर 1.01 करोड़ से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों को 1157 करोड़ से अधिक का लाभ डीबीटी के माध्यम से वितरित किया, जो सरकार की ऐतिहासिक स्मरण और जन कल्याण की दोहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 11 अगस्त को उन सात युवा स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी, जो 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान पटना सचिवालय पर भारतीय तिरंगा फहराने की कोशिश करते हुए ब्रिटिश पुलिस की गोली का शिकार हुए थे। बिहार के आजादी के संघर्ष के इतिहास में एक अहम दिन पर, चौधरी ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदान को याद करने के लिए पटना के शहीद स्मारक परिसर का दौरा किया। उन्होंने याद किया कि कैसे

ब्रिटिश पुलिस ने पटना सचिवालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कोशिश कर रहे छात्रों के एक समूह पर गोलीबारी की थी, जिसमें सात युवा मारे गए थे।शहीद होने वालों में उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह और रामगोविंद सिंह शामिल थे। यह घटना, अगस्त 1942 में महात्मा गांधी द्वारा भारत से अंग्रेजों के जाने की मांग को लेकर शुरू किए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' का हिस्सा थी और बिहार की सबसे अहम घटनाओं में से एक मानी जाती है।

11 अगस्त को बिहार उन सात छात्रों के बलिदान को याद करता है जिन्होंने देश की आजादी और राष्ट्रीय पहचान के लिए अपनी जान दे दी थी। मुख्यमंत्री चौधरी ने शबिहार पेंशन दिवसश पर राज्य भर के लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ देने के बाद उन्हें श्रद्धांजलि दी।उप–मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों के बैंक खातों में 1,157 करोड़ और 72 लाख की राशि ट्रांसफर की गई। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन को ध400 से बढ़ाकर ध1,100 कर दिया गया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि पेंशन की राशि हर महीने की 10 तारीख तक लाभार्थियों तक पहुँच जाए। चौधरी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी पात्र बुजुर्ग व्यक्ति, दिव्यांग व्यक्ति, विधवा या वंचित नागरिक सामाजिक सुरक्षा लाभों से वंचित न रहे। डायरेक्ट ट्रांसफर सिस्टम का मकसद कल्याणकारी सहायता समय पर पहुंचाना और बिचौलियों पर निर्भरता कम करना है। इन दो घटनाओं भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को सम्मान देना और एक करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को पेंशन ट्रांसफर करना ने बिहार में 10 और 11 अगस्त को ऐसे दिनों के तौर पर चिह्नित किया, जिनमें राज्य के आजादी के संघर्ष की याद और सरकार की सामाजिक कल्याण की प्रतिबद्धता, दोनों शामिल थीं।

परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता की स्मृति में 13 अगस्त को ऋषिकेश में शांति हवन एवं श्रद्धांजलि सभा

परिजनों एवं शुभचिंतकों की होगी उपस्थिति, नेत्रदान कर मानव सेवा की मिसाल कायम की

विजडम इंडिया।
ऋषिकेश। प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी की पुण्य आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए आगामी गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को ऋषिकेश में शांति हवन, ब्रह्मभोज एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का जन्म 20 अप्रैल 1935 को हुआ था और उनका निधन शनिवार, 1 अगस्त 2026 को हुआ।

डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी ने एक प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक के रूप में अपना संपूर्ण जीवन निष्ठा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ व्यतीत किया। उनके आदर्श, जीवन–मूल्य एवं समाज के प्रति उनकी सेवाभावना सदैव लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके निधन के बाद नेत्रदान का निर्णय उनके सेवाभावी एवं मानवीय जीवन–दृष्टिकोण की एक और प्रेरणादायी मिसाल है।

परिजनों के अनुसार, दिवंगत आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए प्रातः 9 बजे शांति हवन का आयोजन क–2, गंगा वाटिका रिट्रीट,मुनि की रेती, ऋषिकेश में किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे ब्रह्मभोज का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रेलवे रोड, ऋषिकेश में होगा। इसी स्थल पर अपराह्न 3 बजे श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की जाएगी।

परिजनों ने कहा कि डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का सरल, सेवाभावी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने जीवन में चिकित्सा सेवा के साथ–साथ समाज के प्रति भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके जीवन से जुड़े आदर्श एवं संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उनका नेत्रदान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर भी मानवता की सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

शोकाकुल पत्नी श्रीमती सरोज ऐरन, पुत्र डॉ. हिमांशु ऐरन, आशु ऐरन पुत्री डा प्रीति विश्नोई सहित समस्त ऐरन परिवार, रिश्तेदार, मित्र, शुभचिंतक एवं परिचित 13 अगस्त को आयोजित शांति हवन, एवं श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर दिवंगत डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा उनकी पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे।

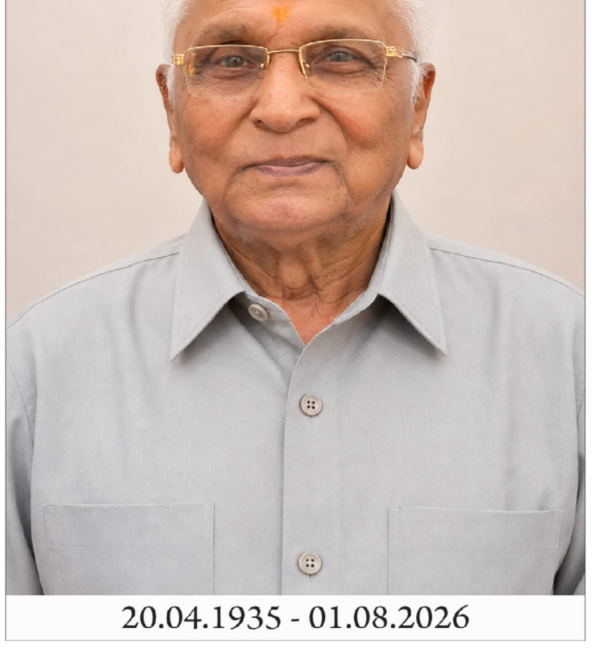

20.04.1935 - 01.08.2026

बायोएनर्जी के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बना उत्तर प्रदेश ए.के. शर्मा, निवेशकों से बोले- आइए और कहीं भी लगाइए अपना प्लांट

लखनऊ, (आरएनएस) उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा, बायोएनर्जी, निवेश और नवाचार को नई गति देने वाले इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो (आईबीईटी एक्सपो)–2026 का मंगलवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में भव्य शुभारंभ हुआ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने देश–विदेश से आए विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश को बायोएनर्जी के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में देश में आगे है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश अब शांतिपूर्ण और व्यापार के अनुकूल राज्य के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है।ए.के. शर्मा ने देश–विदेश के निवेशकों और उद्योग जगत से उत्तर प्रदेश में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि निवेशक प्रदेश में कहीं भी अपने संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की कानून–व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। सुरक्षित, शांतिपूर्ण और निवेश के अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश देश और दुनिया के निवेशकों के लिए भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बायोएनर्जी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था, गन्ना उत्पादन, कृषि अवशेष, जैविक अपशिष्ट और नगरीय ठोस कचरा बायोएनर्जी उत्पादन के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन संसाधनों का वैज्ञानिक और तकनीकी उपयोग कर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के साथ किसानों, युवाओं और उद्योगों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश स्वच्छ, हरित और सतत ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का प्रयास है कि नई ऊर्जा तकनीकों को प्रोत्साहन मिले, बड़े पैमाने पर निवेश आए, रोजगार के नए अवसर पैदा हों और पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को गति मिले।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अब आवश्यकता इस बात की है कि कचरे को समस्या के रूप में देखने के बजाय उसे ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर के रूप में देखा जाए। सीबीजी, बायोगैस, बायोमास और कचरे से ऊर्जा बनाने वाली तकनीकें न केवल स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करा सकती हैं, बल्कि कचरा प्रबंधन और चक्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर सकती हैं। बायोएनर्जी क्षेत्र में निवेश से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों के कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। इससे किसानों की अतिरिक्त आय बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करने और प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।उन्होंने कहा कि आईबीईटी एक्सपो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन उत्तर प्रदेश की संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों और तकनीकी विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। प्रदेश सरकार निवेश, तकनीक, नवाचार और उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश का लक्ष्य केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि नई ऊर्जा तकनीक, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में भी देश का अग्रणी राज्य बनना है। बायोएनर्जी क्षेत्र में होने वाला निवेश प्रदेश के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई गति देगा।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल ने भी संबोधित किया। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और बायोएनर्जी क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए निवेशकों और उद्योग जगत से प्रदेश में उपलब्ध संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। आईबीईटी एक्सपो–2026 का आयोजन 11 से 13 अगस्त तक ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में देश–विदेश के निवेशक, विशेषज्ञ, तकनीकी संस्थान और उद्योग जगत के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटे हैं।कार्यक्रम के दौरान ए.के. शर्मा ने फीता काटकर 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की ओर से लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का शुभारंभ किया और उनका अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रदर्शित बायोएनर्जी, स्वच्छ ऊर्जा, आधुनिक तकनीक और नवाचार से जुड़े उत्पादों एवं समाधानों की जानकारी ली। इस अवसर पर मंत्री ने 'भारत बायो एनर्जी कंपास' नामक वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। यह पहल बायोएनर्जी क्षेत्र से जुड़े निवेशकों, उद्योगों, विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों को एक मंच पर जानकारी और निवेश के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।आईबीईटी एक्सपो–2026 उत्तर प्रदेश की कृषि शक्ति, जैविक संसाधनों और ऊर्जा संभावनाओं को आधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बन रहा है।

जंक फूड खाने से स्वास्थ्य होता है खराब- डा सुधाकर सिंह

प्रयागराज। बच्चों को रोज ताजे फल, हरी सब्जियां और घर का बना खाना खाना चाहिए। दिनभर में खूब पानी पीकर शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके साथ ही हर दिन कम से कम तीस मिनट खेलकूद या योगाभ्यास करें। यह बातें जिले के प्रमुख चिकित्सा डॉ सुधाकर सिंह ने आज आरएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कहीं।

डा. सिंह ने कहा कि बच्चों को पिज्जा बर्गर मोमोज जैसे जंक फूड बहुत पसंद आते हैं लेकिन यह हम सब बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। आप इनसे बचें।

उन्होंने कहा कि बच्चों को जितनी दूरी जंक फूड से आवश्यक है उतनी ही दूरी मोबाइल से भी। आजकल अधिकतर अभिभावक अपने बच्चों को बहलाने के लिए मोबाइल पकड़ा देते हैं। वह अनजाने में बच्चों के प्रति लापरवाह होते हैं।

आर एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सोमवार को स्वास्थ्य एवं निरोगता शिविर किया गया। इसके आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक बृजेश तिवारी ने छात्र– छात्राओं को स्वास्थ्य की परिभाषा एवं महत्व के बारे में बताते हुए छात्रों की स्वास्थ्य संबंधी जिज्ञासा को शांत किया। उन्हें संतुलित आहार लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि स्वास्थ्य सर्वोत्तम धन है।विद्यालय के कोआर्डिनेटर अवनीन्द्र ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही हम अपने जीवन को सुचारू रूप से चला सकते हैं और स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है । स्वस्थ व्यक्ति ही समाज का व देश का भला कर सकता है। इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना व खेलों में भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर जीतेन्द्र सिंह, दिव्या तिवारी, नेहा सिंह, पूजा पान्डेय, मानस अग्रहरी और शरद दुबे समेत विद्यालय के अन्य अध्यापक, अध्यापिकाएं, स्टाफ तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एमएनएनआईटी में बीटेक छात्रा से दुराचार

कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट का असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार, फ्री ट्यूशन के बहाने बुलाकर वारदात करने का आरोप

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर पर इसी विभाग की बीटेक छात्रा ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। छात्रा की शिकायत पर सोमवार को शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपित प्रोफेसर सौगतो राय को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस मंगलवार दोपहर उसे न्यायालय में पेश करने की तैयारी में है। प्राप्त जानकारी के लिए छात्रा ने सोमवार दोपहर शिवकुटी थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी थी। छात्रा द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार कुछ समय पहले अवकाश के दौरान उसकी मां और बहन प्रयागराज आई थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात एमएनएनआईटी के कंप्यूटर साइंस विभाग में कार्यरत प्रोफेसर सौगतो राय से हुई। छात्रा ने पुलिस को बताया कि बातचीत के दौरान उसकी मां ने उसकी पढ़ाई में मदद करने के लिए प्रोफेसर से कहा था। प्रोफेसर इसके लिए तैयार हो गए। बाद में छात्रा के पिता भी प्रयागराज आए। आरोप है कि प्रोफेसर के कहने पर परिवार के सभी लोग उनके आवास पर डिनर के लिए गए। इसके बाद प्रोफेसर छात्रा को पढ़ाने के लिए अपने आवास पर बुलाने लगे।छात्रा के अनुसार छह अगस्त को उसके माता–पिता वापस चले गए। इसके बाद प्रोफेसर ने स्नैपचौट के माध्यम से उससे बातचीत शुरू की। आरोप है कि प्रोफेसर ने यह कहते हुए उसके मोबाइल में स्नैपचौट डाउनलोड कराया था कि रात में पढ़ाई के दौरान कोई दिक्कत होने पर वह उनसे पूछ सकती है। छात्रा का आरोप है कि बाद में बातचीत के दौरान प्रोफेसर उससे आपत्तिजनक बातें भी करने लगे। छात्रा ने पुलिस को बताया कि नौ अगस्त की दोपहर करीब एक बजे प्रोफेसर ने उसे पढ़ाई के लिए अपने कमरे में बुलाया। आरोप है कि कमरे में पहुंचने के बाद प्रोफेसर ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए। छात्रा के मुताबिक, जब उसने विरोध किया और मदद के लिए आवाज लगाने की कोशिश की तो प्रोफेसर ने उसे धमकी दी कि अगर उसने शोर मचाया तो उसे परीक्षा में फेल करवा देंगे।

छात्रा का आरोप है कि इसके बाद प्रोफेसर ने उसके साथ रेप किया। किसी तरह वह वहां से निकली और बाद में पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि छात्रा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल कराया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने संभाली कमान, यूपी में बन चुके 1.90 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज

लखनऊ, (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय ध्वज निर्माण का कार्य निर्धारित लक्ष्य और मानकों के अनुरूप समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए तथा तैयार ध्वजों की आपूर्ति भी समय से सुनिश्चित की जाए। उनके निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने मंगलवार को लखनऊ के चिनहट विकासखंड की ग्राम पंचायत जुग्गौर और सिकंदरपुर का भ्रमण कर राष्ट्रीय ध्वज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान मिशन निदेशक ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें विभिन्न आजीविका गतिविधियों एवं उद्यमों से जुड़कर आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने तुलसी मां स्वयं सहायता समूह, छोटे साहब स्वयं सहायता समूह और बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात कर ध्वज निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली। इन समूहों को कुल 1.50 लाख राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण एवं वितरण का लक्ष्य दिया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 1.30 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण और वितरण किया जा चुका है। मिशन निदेशक ने महिलाओं के समर्पण, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य की सराहना करते हुए भरोसा जताया कि शेष लक्ष्य भी निर्धारित समय सीमा में पूरा कर लिया जाएगा।अरुण कुमार ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल राष्ट्रभक्ति की भावना से जुड़ा कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम भी बनकर उभरा है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा हो रहे हैं तथा सामूहिक उद्यमिता को भी बढ़ावा मिल रहा है।मिशन निदेशक ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को 13 अगस्त तक दो करोड़ राष्ट्रीय ध्वजों के निर्माण का लक्ष्य मिला है। 10 अगस्त तक प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा लगभग एक करोड़ 90 लाख राष्ट्रीय ध्वजों का निर्माण किया जा चुका है। उन्होंने इसे मिशन से जुड़ी महिलाओं की कार्यक्षमता, समर्पण और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।महिलाओं को संबोधित करते हुए अरुण कुमार ने कहा कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य महिलाओं को केवल किसी एक गतिविधि तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें पूरे वर्ष स्थायी और विविध आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। इसके लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अलग–अलग आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने महिलाओं से मसाला प्रसंस्करण इकाइयों, सौर ड्रायर आधारित उद्यमों, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई एवं परिधान निर्माण, अगरबत्ती निर्माण, डेयरी, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, हस्तशिल्प तथा स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित अन्य उद्यमों से जुड़ने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि मिशन महिलाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, विपणन सहायता और बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रहा है, ताकि उनकी आय में स्थायी वृद्धि हो सके। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अब केवल राष्ट्रीय ध्वज निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में सफल उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं।अरुण कुमार ने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्यमों का विस्तार करने और अन्य महिलाओं को भी आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को संगठित शक्ति प्रदान कर रहे हैं और इनके माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ अपने परिवार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।इस अवसर पर उपायुक्त (स्वतः रोजगार), लखनऊ ज्ञानेंद्र कुमार सिंह, राज्य मिशन प्रबंधक आचार्य शेखर तथा राज्य मिशन एवं जनपद स्तर के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा सरकार ने पार्क को बनवा दिया कब्रिस्तान

दो दिन में हजारों लोगों ने दीवार बनाई

महापौर की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने बैठाई जांच

प्रयागराज। प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र स्थित दरियाबाद में समाजवादी पार्टी की सरकार में सपा नेता आजम खान ने पार्क की जमीन पर कब्रिस्तान बनवा दिया। यह शिकायत 20 साल बाद मेयर गणेश केसरवानी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। श्जनता दर्शनश में मुख्यमंत्री को दिए शिकायती लेटर में मेयर ने आरोप लगाया कि जिस पार्क में स्थानीय लोग और बच्चे खेलते, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक आयोजन कराते थे, उस पर आजम और अतीक अहमद ने मिलकर कब्जा कराया।मेयर ने शिकायत में कहा है कि 2006 में सपा सरकार के समय स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14, 15 और 18 अगस्त को सार्वजनिक छुट्टी थी। इसी का फायदा उठाते हुए अतरसुइया थाना के दरियाबाद के पटेल नगर में स्थित एक पार्क में सैकड़ों आदमियों को लाकर तीन दिन के अंदर कच्ची–पक्की दीवार खड़ी कर दी गई। उस समय कॉलोनी के लोगों ने विरोध भी किया। प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन उस समय के शहरी विकास मंत्री आजम खान लगातार फोन पर धमकी देते रहे। इससे अधिकारी भी शांत रह गए।कॉलोनी के लोगों को स्वतंत्रता दिवस का हवाला देकर शांत कराते रहे, जिससे दंगा न भड़क जाए। ये कब्जा पूरी प्लानिंग के साथ आजम खान और अतीक अहमद की सहमति के साथ हो रहा था। अब जिलाधिकारी के निर्देश पर इसकी जांच शुरू हुई है। जल्द ही पैमाइश कराई जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह विवादित जगह घनी मिली–जुली आबादी के बीच है और चारों तरफ से रिहायशी मकानों से घिरा है। स्थानीय लोगों ने कैमरे पर बात करने से मना कर दिया। उनका कहना है कि 20 साल पहले जब यह बाउंड्रीवॉल खड़ी की गई थी, तब लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई थी। बाउंड्री बनने से पहले भी पार्क के कुछ हिस्सों पर धीरे–धीरे अतिक्रमण किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस समय कब्रिस्तान की बाउंड्री के अंदर कई तरह की व्यावसायिक गतिविधियां भी चल रही हैं। लोगों ने दुकानें खोल रखी हैं।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव के जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

प्रयागराज। भारतीय परंपरा में पेड़–पौधों को परमात्मा का प्रतीक मान कर उनकी पूजा का विधान बनाया गया है। हमारी साँसें चलती रहें, इसके लिए ऑक्सीजन बेहद जरुरी है। पर्यावरण की रक्षा के लिए जरुरी है कि हम इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के साथ पौधारोपण को जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण दिनों से जोड़ें। उक्त संदेश वरिष्ठ ब्लॉगर, साहित्यकार, प्रशासक एवं सम्प्रति उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने स्वदेशी समाज सेवा समिति द्वारा अपने 49वें जन्मदिन पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में दिया। स्वदेशी समाज सेवा समिति के संस्थापक सचिव विवेक यादव श्रुद्राक्ष मैनश ने श्री यादव को रुद्राक्ष का पौधा भेंट कर उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। स्वदेशी समाज सेवा समिति के तत्त्वावधान में आयोजित उक्त कार्यक्रम में कृष्ण कुमार यादव, पोस्टमास्टर जनरल के 49 वें जन्मदिन पर श्एक पेड़ माँ के नामश अभियान के तहत रुद्राक्ष, गुलमोहर, अमलतास, अशोक, तुलसी, नीम, आम, आंवला, तेजपत्ता, दालचीनी, पान, सिंगोनियम, रजनीगन्धा, गंधराज इत्यादि के फलदार, औषधीय, छायादार वृक्षों, बेल व पुष्प सहित 49 पौधों का रोपण कर धरा को हराभरा एवं पर्यावरण को शुद्ध बनाने का संकल्प लिया गया। स्वदेशी समाज सेवा समिति के संस्थापक सचिव विवेक यादव श्रुद्राक्ष मैनश ने कहा कि सम्पूर्ण धरा और प्रकृति को सुरक्षित व संतुलित रखने हेतु हमें पौधारोपण के प्रति लोगों को सजग बनाना होगा। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री रितुल गाँधी, वारिस व्होरा, सहायक अधीक्षक बिरंग शाह, जिनेश पटेल, रमेश पटेल, रोनक शाह, विशाल चौहान, सुभाष, जीबी कटारिया सहित तमाम पर्यावरण प्रेमियों ने पौधारोपण में अपना योगदान दिया।

ई-रिक्शा सवार महिला से चेन लूटने वाले तीन शातिर गिरफ्तार, दो चेन और वारदात में प्रयुक्तबाइक बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। मड़ियांव पुलिस ने ई–रिक्शा से घर जा रही महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पीली धातु की दो चेन और वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों का पहले से भी आपराधिक इतिहास है। पूछताछ में आरोपियों से चेन और मोबाइल झपटमारी की कई घटनाओं का खुलासा हुआ है।पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को मोहित अवस्थी पुत्र ओम प्रकाश अवस्थी निवासी आम की बाग, बालाजी इन्क्लेव, निकट सिकरवार चौराहा, थाना मड़ियांव ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी मां ई–रिक्शा से अपने घर जा रही थीं। घर के पास पहुंचने पर पीछे से आए एक अज्ञात युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद वह कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल लेकर खड़े अपने दो साथियों के साथ बैठकर फरार हो गया। तहरीर के आधार पर मड़ियांव थाने में मुकदमा संख्या 379/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत तीन अज्ञात बाइक सवार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम ने सुरागरसी–पतारसी, उपलब्ध साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में 11 अगस्त 2026 को

पुलिस ने इम्तियाज पुत्र वसीम निवासी सलेमपुर पतौरा, बादलखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ, देवेन्द्र सिंह पुत्र सरवन सिंह निवासी मरई, थाना हरियावां, हरदोई, हाल पता एलडीए कॉलोनी राजाजीपुरम, थाना सहादतगंज, लखनऊ तथा अरुण त्रिपाठी पुत्र राम प्रकाश निवासी पतौरा बुद्धेश्वर, थाना पारा, लखनऊ को यादव चौराहे के पास रात करीब 2रू20 बजे गिरफ्तार किया।पुलिस पूछताछ में आरोपियों से मड़ियांव थाने में दर्ज एक अन्य मुकदमे संख्या 361/2026, धारा 304(2) बीएनएस का भी खुलासा हुआ। इसके अलावा करीब दो माह पहले आईआईएम रोड पर राह चलते एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीनने की घटना में भी इनके शामिल होने की जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, मोबाइल का लॉक नहीं खुलने पर आरोपियों ने उसे यादव चौराहे के पास झाड़ियों में फेंक दिया था। इस मामले में मुकदमा संख्या 346/2026, धारा 304(2) बीएनएस दर्ज है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 304(2), 317(2), 317(4) और 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है।पुलिस के मुताबिक आरोपी राह चलते लोगों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन और चेन झपटते थे। लूटे गए सामान को बेचकर मिलने वाले रुपयों का इस्तेमाल अपने शौक पूरे करने और जुआ खेलने में करते थे। गिरफ्तार इम्तियाज विक्रम चालक, देवेन्द्र सिंह ऑटो रिक्शा चालक और अरुण त्रिपाठी जोमैटो–स्विगी में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है।पुलिस के अनुसार इम्तियाज के खिलाफ लखनऊ और उन्नाव के विभिन्न थानों में अपहरण, दुष्कर्म, पाक्सो अधिनियम, लूट, आर्म्स एक्ट और गिरोहबंद अधिनियम समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। देवेन्द्र सिंह के खिलाफ भी लखनऊ और उन्नाव में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट तथा गिरोहबंद अधिनियम से संबंधित कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। अरुण त्रिपाठी के खिलाफ भी मोहनलालगंज थाने में चोरी और बरामदगी से संबंधित पुराने मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पीली धातु की दो चेन बरामद हुई हैं। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी32एलएल 4785 भी बरामद की गई। वाहन के कागजात नहीं मिलने पर उसे मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शिवानन्द मिश्र, उपनिरीक्षक नितिन कुमार, अखिलेश सिंह, अखिलेश कुमार, पुष्पेन्द्र चौधरी, जोशी रघुवंशी, सतेन्द्र कुमार, मुख्य आरक्षी आकाश सिंह, दुर्गेश सिंह, गौरव कुमार सिंह तथा आरक्षी सचिन दूबे और मयंक कुमार शामिल रहे।

04वीं वाहिनी पीएसी में श्हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे श्हर घर तिरंगा अभियान–2026श (09 अगस्त से 17 अगस्त 2026) के तहत आज 04वीं वाहिनी पीएसी, प्रयागराज परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में अत्यंत उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में एक विशाल एवं भव्य तिरंगा रैली का सफल आयोजन किया गया।

यह राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत तिरंगा रैली सेनानायक, 04वीं वाहिनी पीएसी सर्वेश कुमार मिश्र (आईपीएस) के नेतृत्व एवं उपस्थिति में वाहिनी के प्रशासनिक भवन से प्रारंभ हुई। देशप्रेम के जोशीले तरानों और भारत माता के जयघोष के बीच रैली प्रशासनिक भवन से शुरू होकर थाना धूमनगंज मार्ग से गुजरी तथा वाहिनी अस्पताल गेट से होते हुए वापस चतुर्थ वाहिनी पीएसी परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान पूरा मार्ग राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की छटा और देशभक्ति के नारों से गुंजायमान हो उठा।इस तिरंगा रैली का मुख्य उद्देश्य श्हर घर तिरंगा अभियानश का संदेश आम जनमानस तक पहुंचाना तथा नागरिकों को अपने–अपने घरों पर तिरंगा फहराने और इस राष्ट्रीय पर्व में उत्साहपूर्वक सहभागी बनने के लिए प्रेरित करना रहा। रैली में वाहिनी के उपसेनानायक, सहायक सेनानायक, सैन्य सहायक, शिविरपाल एवं समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। पीएसी वाहिनी बैंड की राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत धुनों ने रैली में अभूतपूर्व ऊर्जा का संचार किया। साथ ही, पुलिस मॉडर्न स्कूल के छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकगण ने हाथों में तिरंगा थामे अत्यंत उत्साह व अनुशासित ढंग से सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

विद्युत ट्रांसफार्मरों के पास लगायें फेंसिंग या बैरिकेडिंग- मंडलायुक्त

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल में विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने आज मुख्य अभियंता (वितरण), प्रयागराज क्षेत्र प्रथम एवं द्वितीय के साथ बैठक कर विभिन्न क्षेत्रों में खुले अथवा अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ स्थापित वितरण परिवर्तकों की स्थिति की समीक्षा की।

मंडलायुक्त ने कहा कि खुले में स्थापित वितरण परिवर्तकों के चारों ओर पर्याप्त फेंसिंग/बैरिकेडिंग न होने से आमजन, विशेषकर बच्चों एवं पशुओं के लिए विद्युत दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसे सभी वितरण परिवर्तकों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर फेंसिंग का कार्य कराया जाए। साथ ही, ट्रांसफार्मर के आसपास तकनीकी मानकों के अनुरूप आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मंडलायुक्त के निर्देशों के क्रम में प्रयागराज के शहरी क्षेत्र में विद्युत नगरीय वितरण मंडल–प्रथम के अंतर्गत 200 तथा विद्युत नगरीय वितरण मंडल–द्वितीय के अंतर्गत 300, कुल 500 वितरण परिवर्तकों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार मंडल के अन्य क्षेत्रों में विद्युत वितरण मंडल–प्रथम (यमुनापार), प्रयागराज में 347, विद्युत वितरण मंडल–द्वितीय (गंगापार), प्रयागराज में 316, विद्युत वितरण मंडल– फतेहपुर में 320, विद्युत वितरण मंडल– प्रतापगढ़ में 224 तथा विद्युत वितरण मंडल– कौशाम्बी में 156 वितरण परिवर्तकों को चिन्हित किया गया है।

मीरजापुर में टीबी मरीजों के लिए आगे आए - उत्तर प्रदेश मंत्री हंसराज विश्वकर्मा

मीरजापुर 11 अगस्त 2026– प्रदेश में चल रहे टीबी उन्मूलन अभियान के तहत आज मझवां विकास खंड क्षेत्र के 151 टीबी मरीजों को उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म लघु एवं उद्यम राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा जी के उपस्थिति में पोषण पोटली भेंट करके मरीजों को सहयोग देने हेतु कछवा क्रिश्चियन अस्पताल प्रांगण में गोद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में कछवा क्रिश्चियन अस्पताल द्वारा 85, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन चितईपुर वाराणसी द्वारा 50, पूर्व कछवा नगर पंचायत अध्यक्ष डाक्टर पंधारी यादव द्वारा 11 एवं पूर्व जिला क्षय रोग अधिकारी डाक्टर एवं एल एस मिश्रा द्वारा 5 तथा मीरजापुर डिप्टी सीएमओ डाक्टर सुदीप कुमार सिंह द्वारा 5 तथा राकेश कुमार टीबी चौंपियन द्वारा 2 मरीजों को पोषण पोटली उपलब्ध कराते गोद लेने का सराहनीय कार्य किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा द्वारा टीबी उन्मूलन के तहत किए गए उपरोक्त प्रयास की सराहना करते हुए कहां कि पहले के जमाने में इस रोग का बहुत भय था लेकिन अब योग्य डॉक्टरों एवं उपलब्ध सरकारी जांच इलाज आदि की सुविधाओं से यह रोग असाध्य नहीं साध्य हो चुका है उक्त क्रम में ही मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खान पान, साफ सफाई, वह डॉक्टरों के उचित सुझाव तथा नियमित दवा सेवन पर विशेष ध्यान देने को बोला गया।

मा0 मंत्री जी द्वारा मरीज के हित में सभी सहयोगी निरूक्षय मित्रों के सहयोग की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। तथा उनके द्वारा मीरजापुर में आगामी टीबी मरीजों के गोद कार्यक्रम में स्वयं द्वारा 50 टीबी मरीजों को गोद लेने का आश्वासन भी दिया गया।

वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर के के मिश्रा द्वारा कहा गया कि टीबी रोग के लक्षण मिलने पर आधी अधूरी जानकारी रखने वाले झोला छाप डाक्टरों से इलाज कतई मत लें, बल्कि ऐसे रोग के लिए सरकारी अस्पताल से संपर्क कर उचित जांच इलाज की निरू शुल्क सुविधा प्राप्त करते हुए अपने साथ साथ देश को भी टीबी मुक्त बनाने में सहयोगी बनने का प्रयास करें।

पूर्व जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर एलएस मिश्रा द्वारा कहा गया कि टीबी के रोगी को यह बात सदैव ध्यान रखना आवश्यक है कि दवा सेवन में एक दिन का भी गैप न हो साथ ही खांसते छिंकते बोलते समय मुंह पर मास्क, रुमाल, गमछा अवश्य रखें।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे जिला क्षय रोग कोऑर्डिनेटर एवं रेडक्रास सोसायटी मीरजापुर के सदस्य सतीश शंकर यादव द्वारा लोगों टीबी के लक्षणों एवं सरकारी स्तर पर विभिन्न निरूशुल्क सुविधाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में कछवा क्रिश्चियन प्रबंधक शंकर रामचंद्रन द्वारा सभी आए अतिथियों एवं मरीजों का आभार प्रकट करते हुए कहा गया कि विकासखंड मझवां के साथ–साथ अब आगामी समय में मीरजापुर जिले के पिछड़ा विकास खंड पटेहरा में भी जल्द ही हमारे संस्था द्वारा जन सहयोगी कार्यों किया जाना सुनिश्चित हो चुका है। आयोजित कार्यक्रम में अजय कुमार उपाध्याय सदस्य नागरिक उड्डयन मंत्रालय नई दिल्ली, रामकुमार विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा मिर्जापुर, पवन कुमार उपाध्याय मंडल अध्यक्ष भाजपा कछवा, सुदीप प्रजापति पूर्व मंडल अध्यक्ष वाराणसी, हिमांशु त्रिपाठी, बबलू, नवीन सिंह के साथ–साथ क्षय विभाग के दुर्गेश कुमार रावत, प्रदीप कुमार, प्रतीक कुमार, मनभावन, राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

साहब ! अब हम कहां जाएंगे - सेवा के 20-25 साल बाद भी नहीं सुरक्षित भविष्य, टीबी कर्मचारियों ने लगाई गुहार

घ्वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने उठाई समायोजन की मांग, उपमुख्यमंत्री के आश्वासन से जगी उम्मीद

विजडम इंडिया

लखनऊ। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे संविदा टीबी कर्मचारियों के भविष्य का सवाल अब शासन के दरवाजे तक पहुंच गया है। 20द्25 वर्षों से लगातार टीबी मरीजों की सेवा में जुटे अधिकांश कर्मचारी आज 45 से 55 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं। ऐसे में सेवा समाप्त होने या रोजगार छिनने की स्थिति में नई नौकरी तलाशना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। यही चिंता उनके मन में यह सवाल पैदा कर रही हैकृ"साहब, अब हम कहां जाएंगे!" उपमुख्यमंत्री ने संविदा टीबी कर्मचारियों की पीड़ा को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। वर्षों से मरीजों की सेवा कर रहे कर्मचारियों के भविष्य को लेकर उन्होंने जिस आत्मीयता से भरोसा दिलाया, उससे कर्मचारियों में नई उम्मीद जगी। उनका आश्वासन संवेदनशील जनप्रतिनिधित्व और कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति सकारात्मक सोच को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश क्षय रोग वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्र ने उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर संविदा टीबी कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं को गंभीरता से रखा। उन्होंने वर्षों से विभाग में सेवाएं दे रहे अनुभवी कर्मचारियों के लिए पद सृजन कर नियमानुसार समायोजन की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही कर्मचारियों से जुड़ी अन्य लंबित समस्याओं से भी उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया। संघ का कहना है कि शासन स्तर से निर्देश होने के बावजूद विभागीय स्तर पर पद सृजन का प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों में भविष्य को लेकर असमंजस और चिंता बनी हुई है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा टीबी मरीजों की सेवा में समर्पित किया है, ऐसे में अब उनके अनुभव और सेवाकाल को देखते हुए सरकार को उनके भविष्य की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। मामले को गंभीरता से सुनने के बाद उपमुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए कहाकृ"आप सब निश्चिंत रहें।" साथ ही अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी तत्काल आवश्यक कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किए जाने का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के आश्वासन के बाद वर्षों से अपने भविष्य को लेकर चिंतित टीबी कर्मचारियों में उम्मीद की नई किरण जगी है। संघ ने सरकार से पद सृजन का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कराकर नियमानुसार समायोजन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा अन्य लंबित समस्याओं का भी प्राथमिकता से समाधान कराने की मांग की है।

2027 के विधानसभा चुनाव में संगठन के बल पर मजबूती से लड़ेगी चुनाव-संगीता बेनीवाल

मिर्जापुर। को जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय मिशन कंपाउंड पर प्रेस वार्ता करते हुए कांग्रेस संगठन सृजन के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफ से केन्द्रीय आब्जर्वर श्रीमती संगीता बेनीवाल जी पूर्व राज्यमंत्री राजस्थान प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सृजन पूर्व संगठित सृजन की समीक्षा करेगी उसके बाद पांचो विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाया जाएगा श्रीमती संगीता बेनिवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाले 2027 के विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी

प्रेस वार्ता में उपस्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तरफ से ऑब्जर्वर कमलेश ओझा करमचंद बिंद जितेंद्र पासवान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान रमेश चंद प्रजापति पप्पू आंसू पांडे आनंद त्रिपाठी जफर इकबाल राकेश त्रिपाठी संजय दुबे जदिश्व दुबे अर्चना चौबे अंकुर श्रीवास्तव आजाद राजेंद्र विश्वकर्मा कपिल कुमार सोनकर राधा बिंद विजय दुबे पहाड़ी विधि सिंह सरूप सिंह कुंज बिहारी उपाध्याय रवि शंकर तिवारी जनार्दन पाठक

श्रीराधा कृष्ण की धरती पर हुआ इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़े छात्रों का समागम

विकास मिश्र
विजडम इंडिया

श्रीराधाकृष्ण धाम वृंदावन की धरती थी और वहां पहुंचे थे 50 साल की उम्र पार कर चुके 30 से ज्यादा नटखट और मनमौजी बच्चे। हां बच्चे ही कहेंगे। क्योंकि मन से हम सभी 1990 के उसी दशक में चले गए थे, जब हम लोग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र थे। इस समागम में दो आईपीएस थे, दर्जन भर पीसीएएस थे, हाईकोर्ट के वकील थे, उद्यमी थे, लेकिन यहां सभी किशोर थे, किशोरों वाली हरकतें कर रहे थे। हंसी–ठिठोली चल रही थी, छेड़छाड़ हो रही थी, चुटकियां ली जा रही थीं, बतरस लिया जा रहा था, कविताएं पढ़ी जा रही थीं, गाने गाए जा रहे थे, कदम भी थिरक रहे थे।

यह समागम था इलाहाबाद विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में 1992 में एमए किए हुए बैच का। मैंने संस्कृत में एमए किया था, लेकिन मेरी और दीपशिखा की एंट्री वाइल्ड कार्ड से हुई। दरअसल इस ग्रुप में कई ऐसे साथी थे, जिनका बीए में संस्कृत था, तो हम दोनों उस कोटे से आ गए, क्योंकि संयुक्त रूप से सबसे मित्रता थी।

तीन दिन का ये वाला समागम तो भव्य और दिव्य रहा। पहले दिन यानी शनिवार को सबसे पहले हम लोग प्रेम मंदिर दर्शन करने गए। वहां राधा–कृष्ण के निर्बाध और दिव्य रूप से दर्शन हुए। भीड़ के बावजूद आसानी से दर्शन हुए तो इसमें हमारे आईपीएस भाई रामसुरेश जी का परम प्रताप भी शामिल था। मंदिर के परिसर में हम लोग पालथी मारकर बैठ गए और थ्रीडी लाइटिंग शो देखा, जिसमें फव्वारों की धारा के बीच कृपालु जी महाराज भजन गाते दिख रहे थे।

प्रेम मंदिर के बाद हम लोग गए चंद्रोदय मंदिर। अभी यह मंदिर निर्माणाधीन है, लेकिन जो योजना है, उसके मुताबिक यह देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा और अद्भुत मंदिर बनने वाला है। यहां श्रीराधेकृष्ण की मूर्ति इतनी सुंदर है कि वहां से नजरें हटाने का जी नहीं करेगा। मंदिर में 5 स्टार मॉल जैसी सुविधाएं हैं, मार्केट है, शानदार रेस्टोरेंट भी है। बिना लहसुन–प्याज का जो खाना हम लोगों ने वहां खाया, उसका स्वाद अभी भी जीभ पर ताजा है।

दूसरा दिन रविवार था, भीड़ गजब की थी और हमें बांके बिहारी जी के दर्शन करने थे। सुबह ही हमारे बैच की लड़कियों और हम पुरुष सदस्यों की पत्नियों ने भजन मंडली बना ली। होटल में ही श्रीकृष्ण भजन का दौर चल पड़ा। भजन चले तो नृत्य भी हुआ। श्री बांके बिहारी महाराज संभवतः प्रेम और श्रद्धा में डूबी इन महिलाओं को और दर्शन के लिए लालायित हम सभी को देख रहे थे। तभी तो इतनी भीड़ में उनकी कृपा बरसी और हम लोगों ने बहुत ही बढ़िया तरीके से उनके दर्शन किए। कुछ साथी निधि वन भी गए।

रविवार शाम को दोस्तों की रंगारंग महफिल सजी। बांसुरी वादन से शुरुआत हुई। फिर हमारे साथियों ने समां बांध दिया। मित्र राघवेंद्र सिंह ने भजन सुनाया तो स्त्री और पुरुष दोनों की आवाज में गीत सुनाकर हम सभी को अचंभित कर दिया। राकेश सिंह ने माइक पकड़ा तो माइक के लाल बन गए। उन्होंने दो पारियां खेलीं। पहली पारी में गजल सुनाई, जिस पर खूब तालियां बजीं। मनुलक्ष्मी मिश्रा ने भावपूर्ण कविता सुनाई, दोहे भी पढ़े।

वृंदावन की धरती थी तो रासलीला के बिना रस अधूरा था। वहां की मंडली उपस्थित थी। राधा कृष्ण और गोपिकाओं ने गजब की नृत्य प्रस्तुति दी। एक प्रसंग आया कि श्रीकृष्ण यशोदा मइया से जिद कर रहे हैं कि वे राधा के साथ उनका ब्याह करवा दें। गाना था– राधिका गोरी से बिरज की छोरी से. .मैया करादे मेरो ब्याह। गाने की इस लीला में मनुलक्ष्मी यशोदा की भूमिका में आईं। क्या गजब की प्रस्तुति दी। मनु की अदायगी देखकर कोई कह नहीं सकता था कि वह इस मंडली की पात्र नहीं है। मनु ने कान्हा के कान भी उमेठे और इन पंक्तियों पर मटककर अद्भुत अभिनय किया– उमर तेरी छोटी है, नजर तेरी खोटी है, कैसे करा दूं तेरा ब्याह।

रामसुरेश भाई ने माइक पकड़ा तो कमाल ही कर दिया। भावनाओं में पगी पंक्तियां बता रही थीं कि इस पुलिस अफसर के भीतर अभी भी एक कवि, एक शायर धड़कता है। राम सुरेश भाई की सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस की पूरी टीम थी, रात में जैसे ही टीम हटी, रामसुरेश भाई आजाद हो गए। फिर तो काले कुर्ते और धोती में उन्होंने गजब के ठुमके भी लगाए।

भाई कमलाकांत जी की गायकी 90 के दशक में पूरे विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध थी। मेज को तबला बनाकर जब वह तान छेड़ते थे तो समां बंध जाता था। इस बार मेज बजाने का जिम्मा लिया अरुण उपाध्याय भाई ने। कमलाकांत ने तान छेड़ी– कुइयां का ठंडा पानी, पीपल की छांव रे, अइहा परदेसिया सवेरे मोरे गांव रे। इसके बाद उन्होंने सुनाया– तौबा ये मतवाली चाल...। क्या सुर था, क्या लय था, क्या तान थी। मजाल थी कि जो एक भी सुर कहीं भटका हो। नमन है उनकी गायकी को। इसके बाद रंजना जी ने भजन और गजल सुनाया। मुख्तार भाई ने भी गजल सुनाई। छोटे–छोटे दो बच्चों श्वत्स बंधुश ने बिना साज के श्ऐसी लागी लगनश भजन सुनाया तो सभी भक्ति के आनंद सागर में पहुंच गए।

भोजन के बाद रात 11 बजे के आसपास महफिल की दूसरी पारी शुरू हुई। राकेश भाई ने एक बार फिर माइक संभाला। प्यार के दर्द और कसक में डूबी एक लंबी गजल सुनाई। इसके बाद कर्ण वध के प्रसंग में सूर्य–कृष्ण संवाद पर अपनी रचना सुनाई। 40 मिनट तक यह रचना चलती रही। पूर्ण विराम आ ही नहीं रहा था। मनु और दीपशिखा के कमरे में हमारा कुछ सामान रखा था, हम उसे लेने चले गए। होटल में कमरा दूसरी मंजिल पर था और एक कमरे में गाना चल रहा था– नाम जलेबी बाई। हमने झांककर देखा तो बच्चे स्पीकर पर यह गाना बजाकर डांस कर रहे थे। हमने इजाजत मांगी और भीतर आकर उनका यह उत्सव देखा। यानी जेनजी वाले बच्चे अपनी महफिल सजाए बैठे थे। उसमें भी रंग कम नहीं थे।

महफिल में कुछ हास्य, कुछ करुण और कुछ वात्सल्य रस के प्रसंग भी आए। मित्र गोरखनाथ भट्ट जी का बेटा थोड़ा श्स्पेशल चाइल्डश है, लेकिन है गजब का जीनियस। प्रेजेंस ऑफ माइंड तो गजब का है उसमें। जब राकेश भाई दर्द भरी गजल सुना रहे थे, तब उसने कहा– अंकल, लगता है कि यूनिवर्सिटी टाइम में सबसे ज्यादा दिल आपका ही टूटा था। यह सुनते ही ठहाका गूंज उठा। लोगों ने कहा– बेटा सही बोले।

जब गोरखनाथ जी मंच पर पहुंचे, अपनी प्रस्तुति दी और उनकी कविता में प्रेम रस उमड़ा तो बेटे ने पूछा–पापा ये बताइए, क्लास में वो कौन सी लड़की थी, जिसे आप चाहते थे। गोरखनाथ जी फंस गए, लेकिन अनुभव और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई के दम पर बात घुमाई। बेटे ने कहा– पापा समझ में नहीं आया, सीधे–सीधे बताओ। इधर ठहाके गूंज रहे थे, गोरखनाथ जी की इज्जत संभाली अरुण भाई ने। उन्होंने कहा– बेटा तुम्हारे पापा को जो पसंद थी, उससे कभी कह नहीं पाये और वो आज यहां उपस्थित भी नहीं है। उस बच्चे ने कार्यक्रम के बीच में कहा– अंकल मैं कुछ कहना चाहता हूं। उसे माइक दिया गया। उसने कहा– मैं अपने मम्मी–पापा को थैंक्स कहना चाहता हूं, जिन्होंने अपनी जिंदगी में न जाने कितने सेक्रीफाइस मेरी वजह से किए। मेरी जैसे बच्चे घरों में नहीं, ज्यादातर अनाथालय में पाये जाते हैं। उसकी यह बात सुनकर उसकी मां मृदुला भाभी के आंसू बह निकले। हम में से कोई भी ऐसा नहीं था, जिसके आंसू न छलके हों।

इस आयोजन में सहपाठियों में शामिल पुरुष अपनी पत्नी और बच्चों के साथ आए थे तो सहपाठिनें अपने पतियों और बच्चों के साथ आई थीं। करीब 90 लोगों का यह एक पारिवारिक मिलन था, जहां महिलाओं की आपस में अच्छी केमेस्ट्री बन गई। कुछ साथियों की पत्नियों से पहली बार मुलाकात हुई और मन में विश्वास हुआ कि पूर्व जन्म में जरूर 16 सोमवार का व्रत इन्होंने रखा होगा, तभी ऐसी जीवन संगिनियां मिलीं। मैं बात सिर्फ अरुण भाई, अनिल सिंह और त्रिभुवन भाई की ही नहीं कर रहा हूं। कई साथियों के बारे में यह बात खरी उतरती है।

इस आयोजन के मुख्य संयोजक मित्र अरुण उपाध्याय, रमेश भाई और रामसुरेश भाई रहे। क्या प्रबंधन था, क्या व्यवस्था थी। अरुण भाई को देखकर कई बार लगा कि जैसे उनकी बेटी का विवाह हो और वह समधी बने बारात का स्वागत कर रहे हों। आप तीनों भाइयों ने इस घोर कलियुग में वो कर दिया, जो सतयुग में भी मुश्किल था। आप सभी के लिए धन्यवाद और आभार शब्द बहुत छोटा है। इतने लोगों का जमावड़ा आसान बात नहीं थी। शौक भी इतना कि हर साथी के पहुंचने पर उसे विश्वविद्यालय के नाम और लोगो से युक्त पट्टा पहनाया गया। महिलाओं के लिए दुपट्टे की व्यवस्था थी। रविवार रात हर साथी के सिर पर साफा बंधा हुआ था। इस कार्यक्रम में मित्रों के लेख और कविताओं से युक्त एक पत्रिका भी प्रकाशित की गई, जिसका विमोचन बच्चों के हाथों करवाया गया।

1990 के दशक में पढ़ाई करके निकले साथियों को एक सूत्र में पिरोने की सूत्रधार थीं नीलू अग्रवाल और संगीता श्रीवास्तव। 2018 में नीलू और संगीता ने एक–एक करके लोगों को व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर उसमें जोड़ना शुरू किया। जो अब एक बड़ा कुनबा हो गया है। हालांकि अब संगीता हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन कार्यक्रम में उनकी स्मृति रूप में मौजूदगी हर तरफ रही।

इस आयोजन के बहाने अनीता, अजित जी, अनिल सिंह, अनिल जायसवाल, अश्विनी जी, मंशाराम जी, केपी सिंह, निभा जी, पूनम ओझा, त्रिभुवन जी समेत तमाम पुराने साथियों से भेंट बहुत सुखद रही। साथियों के तब और अब के लुक में फर्क भी आया है। धर्मेंद्र भाई के बाल साफ हो गए, थोड़ी तोंद निकल आई है। रमा माया, प्रियंका, राघवेंद्र, अजय सिंह और रामसुरेश भाई को छोड़ दें तो करीब–करीब सबकी काया का विस्तार हुआ है। हां दीपशिखा ने 21 किलो वजन कम किया है। हम सबमें जो भी फर्क आया है वह शारीरिक है, मानसिक तौर पर हम वहीं हैं, जहां 3 दशक पहले थे। इस आयोजन के बहाने तीन दिन में हम 34 साल पुरानी यादों को जी लिए। एक बार फिर अरुण भाई, राम सुरेश भाई और रमेश जी को दिल से बहुत बहुत धन्यवाद और ढेर सारा प्यार।

(वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र की फेसबुक वॉल से

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है।जंतर–मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन–जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन–जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा। भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार–बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचौनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है–क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे। विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' की संवाद

परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है–विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी–दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है। यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है–ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय–समय पर धर्म, मर्यादा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति–पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है। नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक–सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है।

सम्पादकीय

छात्रों की मांग

झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति संवेदनशील रुख अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे अलग मिसाल पेश करें, ताकि विपक्ष–पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके। कॉकरोच आंदोलन से केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां खड़ी हुईं, जिसमें विपक्षी दलों ने अपना फायदा देखा हो, तो वह लाजिमी ही है। लेकिन इन दलों को यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि युवा आक्रोश राजनीतिक दायरे में बंधा हुआ नहीं है। इसकी जड़ें बढ़ती गई अवसरहीनता, जवाबदेही का अभाव और शासकीय असंवेदनशीलता से बने दमघोंटू माहौल में छिपी हैं। इसलिए जिन राज्यों में गैर–भाजपा सरकारें हैं, और वहां ऐसे मुद्दे उठते हैं, तो वहां की सरकारों को उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण रुख अपनाना चाहिए। मगर झारखंड के छात्र– नौजवानों की शिकायत है कि हेमंत सोरेन उनकी मांगों के प्रति असहनशील बनी हुई है। रांची में 29 जुलाई से सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। महीने भर पहले झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट आने के बाद से यह विवाद शुरू हुआ। इस परीक्षा में गड़बड़ियों का आरोप है। साथ ही झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा–2025 की प्रारंभिक परीक्षा में भी धांधली के आरोप लगे हैं। जेपीएससी परीक्षा कांड में कई लोग गिरफ्घ्तार हुए हैं, लेकिन छात्रों की मांग है कि ये परीक्षा रद्द की जानी चाहिए। छात्र संगठनों ने परीक्षा धांधली की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग भी की है। इसके अलावा वो तमाम शिकायतें भी उभर कर सामने आई हैं, जिनकी चर्चा श्कॉकरोचश् आंदोलन के दौरान हुई। मसलन, छात्रों की शिकायत है कि झारखंड में भर्ती परीक्षाएं नियमित रूप से नहीं होतीं। कई बार परीक्षाओं को पिछले साल की भर्ती से जोड़ दिया जाता है, जिसका असर उम्मीदवारों की उम्र सीमा पर असर पड़ता है। भाजपा शासित राज्यों में ऐसी शिकायतों के प्रति बेरहम रुख देखने को मिला है। वैसा ही नजरिया गैर–भाजपा सरकारें भी अपनाती हैं, तो युवा आक्रोश के केंद्र में पूरा राजनीतिक तबका आ सकता है। इसलिए झारखंड सरकार को छात्रों के प्रति अधिक संवेदनशील नजरिया अपनाना चाहिए। कांग्रेस जैसे उसके सहयोगी दलों पर भी ये जिम्मेदारी है कि वे झारखंड में अलग मिसाल कायम करें, ताकि विपक्ष और पक्ष का फर्क (अगर है, तो) जाहिर हो सके।

साहित्य, कला, फिल्म सब बौने लोगों की जमात

यों इसकी वजह समाज भी है लेकिन सत्ता की ज्यादा जिम्मेदारी है कि देश में साहित्य के फलने फूलने का जो इकोसिस्टम था उसका पतन रोके। संस्कृति को बढ़ाए, निखारे। मगर संस्कृति संरक्षण के नाम पर होने वाले आयोजनों की संख्या लगातार कम होती हुई है और अगर आयोजन होता भी है तो उसमें से सौंदर्य गायब है। उलटे वह भोंडेपन का प्रदर्शन बनता जा रहा है। सोचें, एक समय देश में साहित्य के कितने केंद्र थे। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद और वाराणसी साहित्य और संस्कृति का बड़ा केंद्र थे तो बिहार में पटना, मध्य प्रदेश में भोपाल व जबलपुर, राजधानी दिल्ली, पश्चिम बंगाल में कलकत्ता ये सब बड़े केंद्र थे। दक्षिण भारत की भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में उत्कृष्ट साहित्य रचा जा रहा था। उसका अनुवाद हिंदी क्षेत्र में भी खूब बिकता था। लेकिन आज किसी कॉलेज के छात्र से समकालीन साहित्यकारों, कवियों, उपन्यासकारों के बारे में पूछा जाए या उनकी कोई कविता पढ़ने को कहा जाए तो ज्यादा संभावना है कि वह नहीं पढ़ पाएगा।राजधानी दिल्ली से लेकर छोटे शहरों तक में भरत नाट्यम से लेकर कुचिपुड़ी और कत्थक नृत्य का आयोजन होता था। अब ऐसे आयोजन या तो बहुत कम होते हैं या बिल्कुल बंद हो गए हैं। नई पीढ़ी के किसी नौजवान से पूछा जाए कि वह दो चार शास्त्रीय संगीतकारों और नृत्य कला का प्रदर्शन करने वालों के नाम बताए तो गारंटी है कि वह नहीं बता पाएगा। इसे पुरानी पीढ़ी का मोह या श्रेष्ठता बोध कह कर खारिज नहीं कर सकते हैं लेकिन यह हकीकत है कि आज कहीं न तो बिस्मिल्ला खां हैं, न कहीं पंडित भीमसेन जोशी, न पंडित रविशंकर, न पंडित जसराज हैं और न किशोरी अमोनकर हैं। कोई उस्ताद अमजद अली खां या उस्ताद जाहिर हुसैन भी नहीं है। न कोई एमएफ हुसैन हो रहा है और न कोई हैदर रजा हो रहा है। साहित्य, कला, संस्कृति, फिल्म सब बौने लोगों की जमात हो गई है। पूरे देश में मूर्खता का महोत्सव मनाया जा रहा है।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटनाकृदुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में

एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग–अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

छत्तीसगढ़ का लोक-पवरु´हरेली तिहार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक–त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव–जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है कृ हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक–जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण–प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहॉ लोक जीवन में हंसी–खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप–सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है।

शायद श्हरेलीच का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी–सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

1. हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

हरेली शब्द हरियाली से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ खेतों और मैदानों में हरी–भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक–पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

2. कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा

हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन हैरू

कृषि यंत्रों की पूजारू– हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ–साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान–किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप–दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं – श्हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिशरू धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं।

पशुधन का सत्काररू पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े–लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं।

खेती–किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला–धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा गहूंता (आटा, नमक और जड़ी–बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है। नमक उत्प्रेक्षण का कार्य करता है, चावल या गेहूँ के कारण दवा अधिक असरकारक बन जाती है। इससे पशु धन निरोग हो जाता है यह एक प्रकार टीकाकरण ही है।

3. परंपराएं एवं रीति–रिवाज

गेड़ी चढ़ने का आनंदरू– इस पर्व में गेंड़ी का काफी महत्व है बांस के मोटे डंडो एवं बांस के पहुये को विशेष विधि से कस कर बांधा जाता है। गेड़ी का उदारण हमें पुराणों में मिलता है। बलदाऊ–कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेड़ी चढ़ा करते थे। कृष्ण लीला प्रसंग में इसका उदाहरण मिलता है तथा खेलों का आयोजन भी होते रहे हैं, जिसमें गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर में खड़े होना, एक पैर में कूदना आदि अनेक खेल का आयोजन प्राचीन काल से अब तक होते आ रहे हैं। बारिश के मौसम में कीचड़ और पानी से भरे रास्तों पर चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज एक मनोरंजक खेल बन चुकी है।

विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजनरू–हरेली में गाँव व शहरों में नारियल फेंक प्रतियोगिता भी होती है। सुबह पूजा–अर्चना के बाद गाँव के चौक–चौराहों पर युवाओं की टोली जुटती है और नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन की जाती है। नारियल हारने और जीतने का यह सिलसिला देर रात तक चलता है। गाँव–गाँव में गेड़ी दौड़ का आयोजन होता है। कहीं खो–खो तो कहीं फुगड़ी, कहीं बिल्लस, कहीं अत्ती–पत्ती, डंडा पचरंगा खेल का आयोजन होते आ रहे हैं। गाँव का गौठान हो या स्कूल का मैदान, गाँव के बाहर सड़क हो या चौबट्टा लगता है सारे लोग रंग–बिरंगे परिधानों में सजे रहते हैं।

टोटका और सुरक्षा का विधानरू– मान्यतानुसार, इस दिन गाँव को बुरी नजर और रोगों से बचाने के लिए घर के मुख्य दरवाजों पर नीम की पत्तियाँ बांधी जाती हैं। लोहार द्वारा घरों के चौखट पर नीम की शाखाएं और लोहे की कीलें लगाई जाती हैं। स्थानीय मान्यता है कि इससे घर को बुरी शक्तियों और बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। यह प्रथा नीम के ज्ञात औषधीय गुणों और ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी पारंपरिक मान्यताओं में इसकी भूमिका से प्रेरित है।

हरेली तिहार में बनाए जाने वाले व्यंजनरू– मुख्य रूप से गुड़ के चीला, अईरसा, चौसेला और बोबरा जैसे पारंपरिक पकवान बनाए और बांटे जाते हैं। गुलगुला भजिया, गुड़हा चीला, सोहारी, बड़ा, ठेठरी, खुरमी और बोबरा जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाए जाते हैं। इन व्यंजनों का भोग कृषि औजारों और गोधन को लगाया जाता है। इस दिन छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का विशेष आनंद लिया जाता है।

4. सांस्कृतिक और सामाजिक संदेश

हरेली तिहार केवल एक धार्मिक या लोक–अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह मानव का प्रकृति के साथ अटूट संबंध दर्शाता है। यह पर्व सिखाता है कि जो प्रकृति और पशुधन हमें जीवन और भोजन देते हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारा परम कर्तव्य है।आज के समय में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हरेली पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर और छत्तीसगढ़िया क्रांति के तहत पारंपरिक खेलों (जैसे गेड़ी दौड़) को बढ़ावा देकर इस लोक–सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

लेखक संयुक्त संचालक, जनसंपर्क हैं

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा, इससे आपको काम करने में आसानी होगी।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज आप कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं।

मिथुन राशि
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि न लें।

कर्क राशि
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप किसी काम को नए तरीके से करने पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जाएगा।

सिंह राशि
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापारिक गतिविधियों में अपने धैर्य को बनाए रखेंगे,

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद–विवाद निपटने से घर में सुकून और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा तथा आप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे।

मकर राशि
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना संबंधों में मधुरता लाएगा।

मीन राशि
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक होंगे।

अपने घरों पर तिरंगा फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत एवं भावनात्मक सम्बन्ध पर बल- जिलाधिकारी

आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य रूप से मनाये जाने एवं हर घर तिरंगा अभियान के सफल क्रियान्वयन के दृष्टिगत जनपदीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।डीएम ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं तिरंगे के साथ व्यक्तिगत एवं भावनात्मक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। पिछले कुछ वर्षों में यह अभियान राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति और गौरव के जन भागीदारी आन्दोलन के रूप में सफल बन चुका है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 09 से 17 अगस्त तक जनपद के सभी घरों, कार्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर प्रमुखता से तिरंगा फहराकर सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा राष्ट्र सेवा एवं सम्मान में अपने प्राणों की आहूति देने वाले महापुरूषों के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् की 150वीं जयंती हर घर तिरंगा अभियान 2026 के साथ उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। हर घर तिरंगा अभियान भौतिक एवं डिजिटल दोनो रूप में आयोजित किया जा रहा है। जहां भौतिक रूप से तिरंगा फहराते हुए वन्दे मातरम का गायन किया जायेगा, वहीं डिजिटल रूप में तिरंगा के साथ सेल्फी व वन्दे मातरम गायन को वेबसाइट हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपलोड किया जा रहा है।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों में 145 स्वयं सहायता समूहों की 510 समूह सखियों द्वारा 02 लाख झण्डा का निर्माण किया गया है, जिसे प्रत्येक विकास खण्ड में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय व ग्राम पंचायतध विकास अधिकारी द्वारा जनमानस को निःशुल्क झण्डा वितरित किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के 16 नगरीय निकायों के लिए डूडा की एनयूएलएम सखियों द्वारा 1.5 लाख झण्डे का निर्माण कर सभी निकायों के सभी वार्डों में झण्डा वितरण किया जा रहा है। इस प्रकार जनपद में प्रशासन द्वारा 3.5 लाख झण्डे का वितरण किया जा रहा है। मा0 प्रधानमंत्री व मा0 मुख्यमंत्री जी की हर घर तिरंगा लगाने की अपील पर जनपदवासी स्वेच्छा से दुकानों से भी झण्डे खरीदकर अपने घर, प्रतिष्ठान पर लगा रहे हैं।जनपद में बड़े पैमाने पर विभिन्न समूहों, संस्थानों, स्कूलध्कालेजों द्वारा तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभागी तिरंगा लेकर चलेंगे तथा रैली के आरम्भ में वन्दे मातरम का सामूहिक गायन किया जायेगा।14 अगस्त को हरिऔध कला केन्द्र में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 2026 के अन्तर्गत प्रदर्शनी लगायी जायेगी, जिसमें विभाजन के समय विस्थापित भारत आए परिवारों को विभीषिका से जुड़े सामग्री को प्रदर्शित किया जायेगा। विभाजन की त्रासदी से पीड़ितों हेतु 02 मिनट का मौन रखा जायेगा। विस्थापित परिजनों को आमंत्रित कर उनके अनुभव से जनमानस को विभीषिका से अवगत कराया जायेगा। विभाजन विभीषिका से संबंधित इतिहास संस्कृति और मानव त्रासदी आधारित संगोष्ठी के माध्यम से जनमानस को उस विषम परिस्थितियों व हालात से परिचित कराया जायेगा।15 अगस्त को हरिऔध कला केन्द्र में तिरंगा कान्सर्ट का आयोजन किया गया है, जिनमें युद्धों में शहीद हुए सेनानियों व स्वतंत्रता संग्राम शहीदों के परिजनों को नामित मा0 जन प्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया जायेगा। कान्सर्ट के अन्तर्गत तिरंगा गान, देशभक्ति के गीतों तथा वन्दे मातरम का सामूहिक गायन तथा अन्य राष्ट्रभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ–साथ स्कूल बैण्डध्पुलिस बैण्ड आदि द्वारा राष्ट्रभक्ति के गीतों की धुनों के वादन को सम्मिलित किया जायेगा।हर घर तिरंगा अभियान के क्रम में तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा थीम आधारित प्रकाश सज्जा एवं अलंकरण, रंगोली, तिरंगा प्रेरित कलाकृतियां, तिरंगा सेल्फी आदि के माध्यम से स्वतंत्रता के मूल्यों से जनमानस को अवगत कराया जायेगा।जिलाधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा के साथ ही वंदे मातरम की 150वीं जयंती के क्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का भावपूर्ण गायन किया जायेगा। शासन के निर्देश के क्रम में 14 व 15 अगस्त को जनपद के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रीय गीत व राष्ट्रगान का अनिवार्य रूप से प्रसारण किया जायेगा।जिलाधिकारी ने जनपद के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिष्ठानों, संस्थाओं, जनपदवासियों से अपील किया कि तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर एवं तिरंगा प्रदर्शनी कार्यक्रम को हर घर तिरंगा डॉट कॉम पोर्टल पर अपलोड करें। जनपद के सभी स्कूल, कालेजों व अन्य संस्थानों, विभागों व अन्य स्थलों पर हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम को कल्चरल इवेन्ट डॉट इन पर फोटो वीडियो अपलोड करें। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी से जुड़े कार्यक्रम को अमृतकाल डॉट एनआईसी डॉट इन पर अपलोड करें।जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के सभी कोटे की दुकानों पर आकर्षक तिरंगा सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित कर राशन लेने आये जनमानस को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर अपलोड करने हेतु प्रोत्साहित करें और अपलोड भी करायें। डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बीएसए को निर्देशित किया कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण के बाद सभी शिक्षकगण सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करेंगे।मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल ने जनपद के सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने स्तर पर प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शासन के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 गम्भीर सिंह ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित अपने निकायों में हर घर तिरंगा अभियान एवं वंदे मातरम गायन को उत्साह के साथ मनाते हुए स्वधीनता संग्राम से जुड़े आदर्श, मूल्यों, देशभक्ति से जनमानस को जागरूक करें।

अभियान चलाकर विभिन्न बिन्दुओं पर जनपद के सभी सोनोग्राफीडायग्नोस्टिक सेन्टरों की टीम द्वारा की जायेगी जांच

आजमगढ़, (आर एन एस)जिला सलाहकार समिति पीसीपीएनडीटी की बैठक मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एनआर वर्मा की अध्यक्षता में सीएमओ सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में प्यारी बिटिया पोर्टल पर पंजीकरण, नवीनीकरण, नियम 13 हेतु प्राप्त आवेदनों एवं अन्य बिन्दुओं पर विचार– विमर्श किया गया।सीएमओ ने बताया कि गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम का उद्देश्य गर्भाधान से पहले या बाद में लिंग चयन तकनीकों के उपयोग पर रोक लगाना और लिंग चयनात्मक गर्भपात के लिए प्रसव पूर्व निदान तकनीकों के दुरूपयोग को रोकना है। अल्ट्रासाउण्ड चेकअप कराना जन स्वास्थ्य के दृष्टिगत एक संवेदनशील क्रिया है, इसमें लापरवाही व दुरूपयोग को रोकने के दृष्टिगत सीएमओ ने जनपद में संचालित सभी सोनोग्राफीध डायग्नोस्टिक सेन्टर के डाक्टरों व संचालकों को सख्त निर्देशित किया कि नामितध्योजित चिकित्सक की बड़ी सी फोटो, नाम व डिग्री सहित अगले 15 दिनों के अन्दर सेन्टर के केन्द्र में लगाना सुनिश्चित करें, जिससे अल्ट्रासाउण्ड कराये आये मरीज को यह पता चल सके कि उसका अल्ट्रासाउण्ड कौन डाक्टर कर रहा है। सीएमओ ने बताया कि 15 दिन बाद जिलाधिकारी के निर्देशन में गठित जांच टीम द्वारा जनपद के सभी अल्ट्रासाउण्ड सेन्टरों की विभिन्न आयामों पर जांच की जायेगी। जांच में यदि अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर में कोई कमी या नामित चिकित्सक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउण्ड करते हुए पाया जायेगा तो अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर सीज करते हुए संचालक व नामित डाक्टर पर विधिक कार्यवाही की जायेगी।सलाहकार समिति के सदस्यधजिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार ने बताया कि भ्रूण के लिंग निर्धारण के लिए प्रसव पूर्व निदान तकनीकों का उपयोग करके कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के उद्देश्य से 1994 मे पीसी–पीएनडीटी अधिनियम लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना था।बैठक में 05 डायग्नोस्टिक सेन्टरों के नवीनीकरण, 09 नवीन पंजीकरण, 05 चिकित्सक परिवर्तन के पत्रावलियों का विभिन्न बिन्दुओं व आयामों पर जांच किया गया।

सभी 22 विकासखंडों में 23.19 लाख बच्चों को दी जाएगी मिनाशक दवा

आजमगढ़ (आर एन एस)राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रैदोपुर में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स द्वारा जिलाधिकारी को सलामी एवं मार्चपास्ट के साथ कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने तथा छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत कर अतिथियों के स्वागत से हुई।इस अवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ भविष्य के लिए कृमि संक्रमण से बचाव बेहद जरूरी है। पेट के कीड़े बच्चों के शरीर में पोषक तत्वों को प्रभावित करते हैं, जिससे कमजोरी, खून की कमी तथा शारीरिक और बौद्धिक विकास पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के माध्यम से बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बाल विकास विभाग की टीमों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों से भी अभियान में सहयोग की अपील की। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा ने बताया कि जनपद के सभी 22 विकासखंडों में 01 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 23,19,973 बच्चों को एल्बेंडाजोल 400 एमजी की कृमिनाशक दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए 4,280 आशा कार्यकत्री, 5,588 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, 3079 राजकीय विद्यालयों तथा 3054 निजी विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं विकास में सुधार सुनिश्चित करना है।सीएमओ ने बताया कि 10 अगस्त को विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर दवा खिलाई जा रही है। जो बच्चे किसी कारणवश दवा लेने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 14 अगस्त को मॉप–अप दिवस के दौरान दवा खिलाई जाएगी।कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. उमाशरण पांडेय, डॉ. अब्दुल अजीज, डिप्टी सीएमओ डॉ. आलेंद कुमार, डॉ. मोहनलाल, डिप्टी सीएमओ एवं एनडीडी नोडल अधिकारी डॉ. अविनाश झा, जिला विद्यालय निरीक्षक, विद्यालय की प्रधानाचार्या रूबी खातून , जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार , चंद्रजीत सिंहरू रीजनल कोऑर्डिनेटर (एनीमिया मुक्त भारत) ,एबीएसए, सीडीपीओ, जिला समन्वयक एनडीडी प्रदीप मिश्रा सहित स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

तिरंगे के रंग में रंगा बिलरियागंज-भीमबर, गूंजा 'भारत माता की जय' का जयघोष

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिलरियागंज और भीमबर कस्बे में सोमवार को देशभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शहीदों की स्मृति और राष्ट्रप्रेम की भावना को समर्पित भव्य तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता, युवा और क्षेत्रवासी शामिल हुए। हाथों में लहराता तिरंगा और जुबां पर 'भारत माता की जय' व 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया।बिलरियागंज में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ नये चौक से हुआ। यात्रा कासिमगंज होते हुए ब्लॉक परिसर स्थित शहीद स्तंभ तक पहुंची। यहां अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने शहीद स्तंभ पर माल्यार्पण कर देश के अमर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कृष्ण पाल तथा विशिष्ट अतिथि राधेश्याम सिंह उर्फ गुड्डू सिंह रहे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रूद्रप्रकाश राय, राजेश यादव, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश यादव, मंडल अध्यक्ष भीमबर दीपक मिश्रा, तेज प्रताप सिंह, विनोद पाठक, रवि शंकर तिवारी, सूर्य प्रकाश मिश्रा, जगतपाल सिंह, सूर्यभान सोनकर, सूर्य प्रताप लाल श्रीवास्तव, गुड्डी पासवान, महजवीन, शैलेश सोनकर, अरविंद पाठक, सुरेंद्र राय, संतोष पासवान, अमरजीत पासवान, कृपा शंकर राय, सरवन मोदनवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, त्याग, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। देश की आजादी और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीदों को याद करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य युवाओं और नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम तथा शहीदों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है।भीमबर में भी उमड़ा देशभक्ति का सैलाबइसी क्रम में शाम चार बजे भीमबर बाजार से ब्रह्म बाबा स्थान तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यहां भी बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में भाग लिया। मुख्य अतिथि सत्येंद्र राय रहे, जबकि मंडल अध्यक्ष दीपक मिश्रा की मौजूदगी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। ब्रह्म बाबा स्थान पर यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। तिरंगा यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा कस्बा गूंजता रहा। युवाओं और कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं बिलरियागंज थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा दोनों कार्यक्रम में पुलिस बल के साथ मौजूद रहे और यात्रा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग किया।बिलरियागंज और भीमबर में निकली दोनों तिरंगा यात्राएं महज एक आयोजन नहीं, बल्कि शहीदों के सम्मान, राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश बनकर सामने आईं।

युवाओं को खेल, कौशल और स्टार्टअप से जोड़ रहे समाजसेवी ओंकार राय

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के तहसील सगड़ी ग्रामीण अंचल के युवाओं को खेल, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में समाजसेवी ओंकार राय की पहल सगड़ी क्षेत्र में लगातार नई पहचान बना रही है।की सोच के साथ शुरू की गई इस पहल के माध्यम से गांव–गांव युवाओं को संगठित कर युवा संवाद और युवा क्लबों के जरिए उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर दिया जा रहा है।ओंकार राय के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को केवल खेल के मैदान तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उन्हें खेल के साथ कौशल विकास और स्टार्टअप के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। इसी क्रम में हाल ही में चंगईपुर और पुरुषोत्तमपुर कैथौली में युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।पुरुषोत्तमपुर कैथौली में युवाओं को वॉलीबॉल किट उपलब्ध कराई गई। इसके बाद बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह के साथ वॉलीबॉल खेल में हिस्सा लिया। ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं की खेल प्रतिभा को सामने लाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की इस पहल को स्थानीय स्तर पर सकारात्मक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।समाजसेवी ओंकार राय का कहना है कि गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें सही दिशा, संसाधन और प्रोत्साहन देने की है। उनका प्रयास है कि युवाओं को नशे और निराशा से दूर रखते हुए उन्हें खेल, शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़ा जाए। उनका मानना है कि जब युवाओं को अवसर मिलता है तो वे न केवल अपनी पहचान बनाते हैं, बल्कि समाज और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ओंकार राय की इस पहल की खास बात यह है कि इसमें युवाओं को सीधे संवाद के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। गांवों में पहुंचकर उनकी समस्याएं, रुचियां और आवश्यकताओं को समझने के साथ ही उन्हें सामूहिक रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। युवा क्लबों को मजबूत कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि इस तरह की पहल से गांव के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच भी उपलब्ध हो रहा है। युवाओं के बीच बढ़ते उत्साह को देखते हुए आने वाले दिनों में इस अभियान को सगड़ी विधानसभा क्षेत्र के और अधिक गांवों तक पहुंचाने की तैयारी है।"गांव की प्रतिभा को गांव में ही अवसर" समाजसेवी ओंकार राय की पहल का मूल संदेश यही है कि गांव की प्रतिभा किसी शहर से कम नहीं है, जरूरत सिर्फ उसे अवसर देने की है। खेल के मैदान से लेकर कौशल विकास और स्टार्टअप तक युवाओं को जोड़ने का यह प्रयास आने वाले समय में सगड़ी क्षेत्र में युवाओं के लिए नई संभावनाओं का रास्ता खोल सकता है।

राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे से जगी थी उम्मीद, अब फूटा गुस्सा

आजमगढ़ (आर एन एस)सदर तहसील पल्हनी ब्लाक हुसैनगंज क्षेत्र में जर्जर सड़क की मरम्मत का काम अचानक रोके जाने और सामग्री वापस ले जाने से स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने प्रशासन की इस कार्यप्रणाली के खिलाफ सवालिया निशान खड़ा किया है।स्थानीय निवासियों में इंद्रावती देवी, दिनेश चौरसिया, रामसिंगार प्रजापति, राजबली यादव के अनुसार, 11 अगस्त को राज्य विश्वविद्यालय में राज्यपाल के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक अमला तैयारियों में जुटा था। राज्यपाल का रूट बैलईसा से हुसैनगंज होकर तय किया गया था। इस सूचना के बाद प्रशासन ने आनन–फानन में बदहाल सड़क पर गिट्टी और अन्य निर्माण सामग्री गिराकर मरम्मत का काम शुरू कराया, जिससे वर्षों से परेशान ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई थी। सोमवार को अचानक राज्यपाल का रूट बदलने की खबर आते ही सड़क मरम्मत का काम रोक दिया गया। हद तो तब हो गई जब मौके पर गिराई गई गिट्टी और रॉ–मटीरियल को जेसीबी और ट्रॉलियों में लादकर वापस ले जाया जाने लगा। इसे देख ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया और वे विरोधा पर उतर आए।ग्रामीणों का आरोप है कि बदहाल और गड्ढा युक्त सड़क के कारण क्षेत्र में आए दिन हादसे होते रहते हैं। सामान्य दिनों में शिकायत करने पर प्रशासन हमेशा बजट की कमी का रोना रोता है, जबकि किसी वीआईपी के आते ही रातों–रात सड़कों का कायाकल्प कर दिया जाता है। गौरतलब है कि बारिश के मौसम में जलभराव और गड्ढों में तब्दील हो चुकी इस सड़क से परेशान होकर स्थानीय लोगों ने पिछले महीने गड्ढों में भरे पानी के बीच धान की रोपाई करके अपना अनोखा विरोध दर्ज कराया था।

परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता की स्मृति में 13 अगस्त को ऋषिकेश में शांति हवन एवं श्रद्धांजलि सभा

परिजनों एवं शुभचिंतकों की होगी उपस्थिति , नेत्रदान कर मानव सेवा की मिसाल कायम की

संवाददाता।

ऋषिकेश। प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी की पुण्य आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए आगामी गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को ऋषिकेश में शांति हवन, ब्रह्मभोज एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का जन्म 20 अप्रैल 1935 को हुआ था और उनका निधन शनिवार, 1 अगस्त 2026 को हुआ।

डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी ने एक प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक के रूप में अपना संपूर्ण जीवन निष्ठा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ व्यतीत किया। उनके आदर्श, जीवन–मूल्य एवं समाज के प्रति उनकी सेवाभावना सदैव लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके निधन के बाद नेत्रदान का निर्णय उनके सेवाभावी एवं मानवीय जीवन–दृष्टिकोण की एक और प्रेरणादायी मिसाल है।

परिजनों के अनुसार, दिवंगत आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए प्रातः 9 बजे शांति हवन का आयोजन क–2, गंगा वाटिका रिट्रीट,मुनि की रेती, ऋषिकेश में किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे ब्रह्मभोज का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रेलवे रोड, ऋषिकेश में होगा। इसी स्थल पर अपराह्न 3 बजे श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की जाएगी।

परिजनों ने कहा कि डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का सरल, सेवाभावी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने जीवन में चिकित्सा सेवा के साथ–साथ समाज के प्रति भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके जीवन से जुड़े आदर्श एवं संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उनका नेत्रदान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर भी मानवता की सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

शोकाकुल पत्नी श्रीमती सरोज ऐरन, पुत्र डॉ. हिमांशु ऐरन, आशु ऐरन पुत्री डा प्रीति विश्नोई सहित समस्त ऐरन परिवार, रिश्तेदार, मित्र, शुभचिंतक एवं परिचित 13 अगस्त को आयोजित शांति हवन, एवं श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर दिवंगत डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा उनकी पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे।

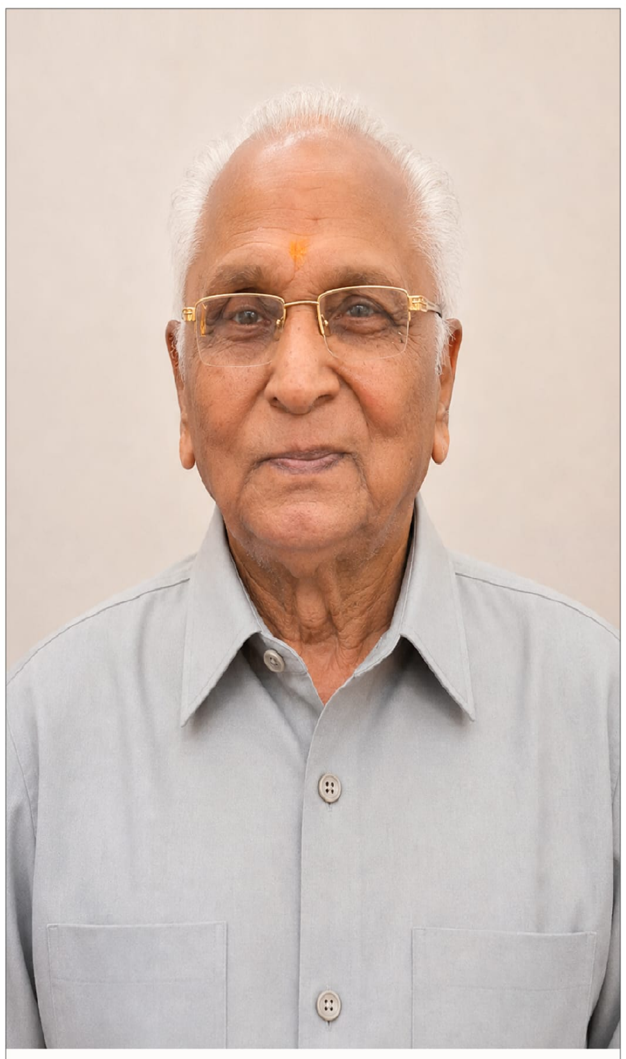

20.04.1935 - 01.08.2026

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बालिकाओं को महिला कल्याण एवं समस्त विभाग मे संचालित योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

आजमगढ़,(आर एन एस)जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग, आजमगढ़ के हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन (भ्ऋ) के कर्मचारियों द्वारा आज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सठियांव आजमगढ़ में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में डिस्ट्रिक मिशन कोऑर्डिनेटर श्रीमती प्रीति उपाध्याय ,जेंडर स्पेशलिस्ट श्रीमती अनु सिंह एवं आशीष कुमार सिंह द्वारा बालिकाओं को महिला एवं बालिका सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं बालिकाओं के हित में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य पात्र लाभार्थियों को जोड़ते हुए उनके अधिकारों, सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित विभाग एवं हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना तथा सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना रहा।

जनवरी से वेतन बकाया, आउटसोर्सिंग चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने सीएमओ से लगाई गुहार

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नन्हकू राम वर्मा से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जनवरी 2026 से अब तक बकाया वेतन का भुगतान न होने पर मुख्य चिकित्साधिकारी से गुहार लगाई है। कर्मचारियों ने सोमवार को प्रार्थना पत्र देकर बकाया वेतन का जल्द भुगतान कराने की मांग की।अवनी परिधि एनर्जी एंड कम्यूनिकेशन प्रा. लि. उत्तर प्रदेश के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ओर से दिए गए पत्र में कहा गया है कि जनवरी 2026 से उनका वेतन बकाया चल रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन भुगतान के संबंध में अब तक विभाग की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है।कर्मचारियों ने पत्र में कहा कि वे सभी अल्पवेतनभोगी श्रेणी में आते हैं और लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार के भरण–पोषण सहित अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में उन्हें मजबूर होकर विभाग के समक्ष वेतन भुगतान के लिए प्रार्थना पत्र देना पड़ रहा है।कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्साधिकारी से आर्थिक परेशानी को देखते हुए जनवरी 2026 से लंबित वेतन का अविलंब भुगतान कराने की कार्रवाई शुरू करने की मांग की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करेगा। इस मौके पर दर्जनों कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और मेरठ-रुड़की हाईवे खुला

मेरठ। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर रोके गए यातायात का संचालन मंगलवार शाम से सुचारू हो गया। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे और मेरठ–रुड़की हाईवे को भी पूरी तरह से खोल दिया गया। शहर के अंदर की यातायात व्यवस्था मंगलवार दोपहर से ही बहाल कर दी गई।मंगलवार सुबह से शिवरात्रि का जलाभिषेक शुरू हो रहा है, ऐसे में मेरठ–रुड़की हाईवे समेत सभी मार्गों पर यातायात सुचारू कर दिया गया है। सोमवार को मेरठ हाईवे और शहर के अंदर सभी मार्गों पर निजी और कामर्शियल वाहनों का संचालन बंद कर दिया था। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए पास लगे वाहनों को भी नहीं जाने दिया गया। शहर के अंदर दिल्ली, गढ़ और हापुड़ रोड पर मंगलवार दोपहर से ही वाहन संचालन शुरू हो गया। सभी मार्गों पर ऑटो–ई रिक्शा तथा सिटी बसों से लेकर निजी वाहनों को संचालन शुरू हो गया।12 अगस्त को भैंसाली समेत सभी बस अड्डे लौटेंगे12 अगस्त को सोहराब गेट बस अड्डे से भैंसाली बस अड्डे पर रोडवेज बसे लौट जाएगी। सभी निजी बस अड्डे भी अपने पुरानी स्थान से सुचारू कर दिए जाएंगे। मोदीपुरम से गाजियाबाद की ओर बंद कराए गए नमो भारत व मेट्रो के स्टेशन पर प्रवेश, निकासी व पार्किंग 12 अगस्त की शाम तक खुल जाएगी।एसपी ने दी जानकारीएसपी यातायात राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार की सुबह से जलाभिषेक चल रहा है। सोमवार की देर रात कुछ कॉलोनियों के बाहर से कट खोल दिए। ताकि कॉलोनियों के लोग भी मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक कर सकें। बुधवार की सुबह से हाईवे और एक्सप्रेसवे पर यातायात पूरी तरह से सुचारू हो जाएगा।सोहराब गेट अड्डे से बसों का संचालन 11 अगस्त तक सोहराब गेट अड्डे से ही बसों का संचालन होना है। शिवरात्रि के साथ कांवड़ यात्रा संपन्न होने और रास्तों से बैरिकेडिंग हटाए जाने पर 12 अगस्त की सुबह से पुनरू भैंसाली अड्डे से बसों का संचालन आरंभ कराया जाएगा। एक दिन में भैंसाली अड्डे से विभिन्न डिपो की लगभग 1500 बसों का प्रस्थान होता है। 12 अगस्त को बड़ौत, बागपत और मुजफ्फरनगर रूट की बसों का संचालन पूरी क्षमता के साथ होगा, जबकि अन्य रूटों पर समस्त बसों का संचालन करने में समय लगेगा।

उच्च स्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाओं पर हुआ विचार विमर्श

चित्रकूट। सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में गुरु पूजन के साथ "विजन सेंटर प्रबंधन एवं परियोजना क्रियान्वयन विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। साथ ही देश के कोने कोने से कार्यशाला में प्रतिभाग करने आए सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर स्व पद्मश्री डॉ बीके जैन को श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यशाला को ऑर्बिस इंटरनेशनल का सहयोग प्राप्त है।

कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के निदेशक एवं कार्यकारी न्यासी डॉ. इलेश जैन ने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं सहयोगी संस्थाओं का स्वागत करते हुए समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ नेत्र सेवाएं पहुंचाने में विजन सेंटरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ऑर्बिस इंटरनेशनल के कंट्री डायरेक्टर डॉ. ऋषिराज बोराह ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने समुदाय के स्तर पर विजन सेंटरों की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विजन सेंटर समुदाय और उच्च स्तरीय नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने विजन सेंटरों के माध्यम से समय पर . ष्टि जांच, उचित उपचार, रेफरल एवं फॉलोअप सेवाओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विजन सेंटरों की योजना एवं स्थापना, आवश्यकता का आकलन, आधारभूत संरचना, मानव संसाधन नियोजन, सेवा गुणवत्ता, सामुदायिक सहभागिता, प्रभावी रेफरल प्रणाली तथा परियोजना क्रियान्वयन से जुड़े पहलुओं को बेहतर बनाना है। कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से आए परियोजना प्रबंधकों, आउटरीच समन्वयकों, विजन सेंटर प्रभारियों एवं नेत्र स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिनिधियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। प्रतिभागियों को विजन सेंटर प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी एवं अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान नीड असेसमेंट, विजन सेंटर के लिए उपयुक्त स्थान का चयन, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं उपकरण नियोजन, मानव संसाधन प्रबंधन, सामुदायिक जुड़ाव, स्क्रीनिंग एवं रेफरल प्रक्रिया, डेटा प्रबंधन, सेवा गुणवत्ता तथा टेली ऑप्थल्मोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जा रही है।कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया जा रहा है कि विजन सेंटर केवल प्राथमिक नेत्र जांच का केंद्र न होकर समुदाय और बेस अस्पताल

के बीच एक प्रभावी संपर्क एवं रेफरल केंद्र के रूप में कार्य करें। इसके माध्यम से मरीजों को समय पर जांच, उपचार, चश्मा एवं आवश्यकता के अनुसार उच्च स्तरीय नेत्र चिकित्सा सेवाओं से जोड़ा जा सके। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों द्वारा प्रमुख सीख एवं अनुभव साझा किए जाएंगे तथा विजन सेंटर सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था का एडीजी ने लिया जायजा

-मातहतों को सतर्क व चौकस नजर बनाए रखने के दिए निर्देश

चित्रकूट। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार एवं चल रही कावड़ यात्रा के .ष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन ज्योति नारायण ने धर्मनगरी के रामघाट क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मत्तगजेन्द्रनाथ मंदिर, रामघाट' एवं 'निर्मोही अखाड़ा' का स्थलीय निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान डीआईजी राजेश एस, एसपी अरुण कुमार सिंह, अपर एसपी पीयूषकान्त राय एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

एडीजी ने सर्वप्रथम मतगजेन्द्रनाथ मंदिर परिसर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं से वार्ता की। मंदिर में की गई बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों, प्रवेश, निकास द्वार, खोया पाया केंद्र एवं मेडिकल सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर मार्ग पर तैनात पुलिस बल को श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार करने एवं किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। इसके पश्चात रामघाट क्षेत्र एवं निर्मोही अखाड़ा पहुंचकर कावड़ियों के ठहरने, भोजन, पेयजल एवं शौचालय आदि मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने घाट पर गोताखोरों, पीएसी एवं जल पुलिस की तैनाती सुनिश्चित करने तथा रात में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। कहा कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहें। सोशल मीडिया में अफवाहों पर कड़ी निगरानी रखें तथा आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए डायवर्जन प्लान का कड़ाई से पालन कराया जाए।

15 दिन से अधिक लंबित आवेदनों पर सीडीओ हुए खफा

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुत बिजली योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक हुई। 15 दिनों से अधिक लंबित आवेदनों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। बैठक में पीएम सूर्य घर मुत बिजली योजना तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 15 दिनों से अधिक समय से बैंक शाखाओं में लंबित ऋण आवेदनों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में योजनावार लंबित मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित बैंक अधिकारियों एवं विभागीय प्रतिनिधियों को त्वरित कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए गए। '15 दिनों से अधिक समय से लंबित सभी ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर 3 दिवस के अन्दर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पात्र आवेदकों के ऋण प्रस्तावों को अनावश्यक कारणों से लंबित न रखा जाए। यदि किसी दस्तावेज में त्रुटि है तो आवेदक से संपर्क कर उसे शीघ्र पूर्ण कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया कि युवा योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है तथा पीएम सूर्य घर योजनाए का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कम प्रगति वाले बैंक एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया, भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा को चेतावनी देते हुए दैनिक आधार पर प्रगति रिपोर्ट लीड बैंक चित्रकूट व्हाटसएप ग्रुप में प्रेषित करने के निर्देश दिए। आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व सभी लंबित आवेदनों की स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया को शत प्रतिशत पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता की स्मृति में 13 अगस्त को ऋषिकेश में शांति हवन एवं श्रद्धांजलि सभा

परिजनों एवं शुभचिंतकों की होगी उपस्थिति , नेत्रदान कर मानव सेवा की मिसाल कायम की

एजेंसी।

ऋषिकेश। प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक परम पूज्य डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी की पुण्य आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए आगामी गुरुवार, 13 अगस्त 2026 को ऋषिकेश में शांति हवन, ब्रह्मभोज एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का जन्म 20 अप्रैल 1935 को हुआ था और उनका निधन शनिवार, 1 अगस्त 2026 को हुआ।

20.04.1935 - 01.08.2026

डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी ने एक प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं सम्मानित नागरिक के रूप में अपना संपूर्ण जीवन निष्ठा, सेवा और समर्पण की भावना के साथ व्यतीत किया। उनके आदर्श, जीवन–मूल्य एवं समाज के प्रति उनकी सेवाभावना सदैव लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके निधन के बाद नेत्रदान का निर्णय उनके सेवाभावी एवं मानवीय जीवन–दृष्टिकोण की एक और प्रेरणादायी मिसाल है।

परिजनों के अनुसार, दिवंगत आत्मा की सद्गति एवं शांति के लिए प्रातः 9 बजे शांति हवन का आयोजन क–2, गंगा वाटिका रिट्रीट,मुनि की रेती, ऋषिकेश में किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे ब्रह्मभोज का आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, रेलवे रोड, ऋषिकेश में होगा। इसी स्थल पर अपराह्न 3 बजे श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की जाएगी।

परिजनों ने कहा कि डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी का सरल, सेवाभावी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने जीवन में चिकित्सा सेवा के साथ–साथ समाज के प्रति भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके जीवन से जुड़े आदर्श एवं संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। उनका नेत्रदान उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर भी मानवता की सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

शोकाकुल पत्नी श्रीमती सरोज ऐरन, पुत्र डॉ. हिमांशु ऐरन, आशु ऐरन पुत्री डा प्रीति विश्नोई सहित समस्त ऐरन परिवार, रिश्तेदार, मित्र, शुभचिंतक एवं परिचित 13 अगस्त को आयोजित शांति हवन, एवं श्रद्धांजलि सभा में सम्मिलित होकर दिवंगत डॉ. क्षेमेंद्र गुप्ता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा उनकी पुण्य आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे।

झाड़ी में मिला मजदूर का शव, हत्या की आशंका

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के मंडौर ग्राम पंचायत के बंबुरा मजरा में सोमवार सुबह मजदूर रोहित निषाद (45) का शव झाड़ियों में मिलने से सनसनी फैल गई। शव पर चोट के कई निशान पाए गए हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मडौर के हनुमान का डेरा निवासी रोहित निषाद पुत्र रामदास रविवार शाम करीब छह बजे घर से निकले थे। परिजनों के अनुसार, घर से निकलते समय वह अंडा देकर गए थे। उन्होंने घरवालों से कहा था कि खाना बनाकर खा लेना। उसके लिए खाना मत बनाना। वह शाम को मछली खाएगा। देर रात तक वह घर नहीं लौटे। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में जुट गए। सोमवार सुबह बंबुरा चौराहे के पास बालू डंप खदान से सटी झाड़ियों में सड़क किनारे रोहित का शव पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी होते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली और थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि रोहित का गांव के पास स्थित शराब के ठेके के आसपास कुछ लोगों से विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ लोगों ने लाठी डंडों और सांग से उसके साथ मारपीट की। इसके बाद चौराहे से गांव की ओर करीब सौ मीटर दूर सड़क किनारे उसका शव मिला। मृतक की पत्नी कुसमा देवी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मृतक रोहित मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था।

डीएम ने बाकेसिद्ध मंदिर एवं ऐतिहासिक कुएं का किया निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने विकासखंड कर्वी की ग्राम पंचायत सिद्धपुर स्थित पौराणिक एवं ऐतिहासिक बाके सिद्ध मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अवगत कराया कि मान्यता के अनुसार प्रभु श्री राम ने वनवास काल के दौरान क्षेत्र के ऋषियों से भेंट की थी। तत्पश्चात बाके सिद्धपुर पधारे थे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को मंदिर परिसर की समस्याओं से अवगत कराते हुए टूटी हुई सीढ़ियों की मरम्मत, सुरक्षा के लिए रेलिंग का निर्माण तथा दीपावली मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टीन शेड निर्माण की मांग रखी। जनभावनाओं व ऐतिहासिक महत्व का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जो पूर्वजों द्वारा निर्मित पौराणिक व सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजकर सुरक्षित रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। साडा के अधिकारियों को तत्काल स्थल की पैमाइश कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान रामकिंकर सिंह को निर्देशित किया गया कि यात्री टीन शेड का निर्माण एवं क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत ग्राम पंचायत निधि से कराई जाए। डीएम ने ग्राम पंचायत बनाडी में स्थित लगभग वर्ष 1874 के ऐतिहासिक कुएं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद खंड विकास अधिकारी कर्वी को निर्देश दिए कि कुएं के आसपास इंटरलॉकिंग कराई जाए तथा परिसर में उत्तम साफ सफाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी कर्वी महिमा विद्यार्थी सहित स्थानीय ग्रामीण व संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मेजर ध्यानचंद जयंती की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की हुई बैठक

चित्रकूट। हॉकी के जादूगर एवं महान खिलाड़ी की जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति की बैठक हुई। बैठक में समारोह को भव्य, गरिमामय एवं व्यवस्थित रूप से मनाए जाने के लिए विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक विवेक अग्रवाल ने की एवं एड अशोक गुप्ता मुख्य अतिथि एवं चंद्र प्रकाश खरे पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, जगदीश प्रसाद गौतम समाजसेवी, महेंद्र अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।बैठक में चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब के संरक्षक मण्डल के विवेक अग्रवाल ने कहा कि अब क्लब केवल क्रिकेट ही नहीं अन्य खेलों करने पर जोर दिया। चंद्र प्रकाश खरे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उद्देश्य, खेलों के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने पर प्रकाश डाला। क्लब के संयोजक कमलेश ने बताया कि यह सम्मान समारोह अपने सातवें सोपान में जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्लब के द्वारा जिले के ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों को चित्रकूट खेल रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

बारिश में भरभरा कर गिरा मकान, वृद्धा की मौत, महिला सहित तीन घायल

मेरठ। मंगलवार की सुबह से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के दौरान लिसाड़ी गेट क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश में एक जर्जर मकान भरभरा कर गिर गया। मलबे में दबकर एक वृद्धा की मौत हो गई। जबकि महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक आमिर गार्डन कॉलोनी में निसार का जर्जर मकान था। मंगलवार की सुबह तेज बारिश में निसार का मकान भरभरा कर गिर गया। जिसके चलते क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्रवासियों की मदद से मलबे में दबे घायलों को बाहर निकाला। हादसे में निसार की 80 वर्षीया सास जैतून की मौत हो गई। जबकि निसार की पत्नी शाहजहां और घर में आई एक रिश्तेदार नजमा पत्नी रिजवान सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस द्वारा सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को वापस घर भेज दिया गया।हादसे के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। सीओ कोतवाली संग्राम सिंह ने बताया कि मृतका जैतून के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है

बाइक और स्कूटी की भिड़ंत में कांवड़िया सहित दो युवकों की मौत, दो की हालत गंभीर

मेरठ। मंगलवार की सुबह दिल्ली–हरिद्वार हाईवे पर बाइक और स्कूटी की आमने–सामने की भिड़ंत में एक कांवड़िया सहित दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो युवक घायल हो गये। घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है।जानकारी के मुताबिक हरिद्वार के केली गांव का रहने वाला सचिन अपने साथी लक्ष्य के साथ पुरा महादेव में जलाभिषेक करने के बाद दिल्ली जा रहा था। इसी दौरान मंगलवार की सुबह दौराला गांव के सामने कांवड़ियों की स्कूटी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टकरा गई। इस बाइक पर दिल्ली के रामनगर निवासी अभिनव और उसका दोस्त साहिल सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ही वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में स्कूटी सवार सचिन और बाइक सवार अभिनव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य दोनों युवक लक्ष्य और साहिल गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

बारिश में टला बड़ा हादसा, लालकुर्ती में धमाके के साथ गिरा जर्जर मकान

मेरठ। मंगलवार को भारी बारिश के दौरान लालकुर्ती थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक जर्जर खाली मकान धमाके के साथ भरभरा कर गिर गया। गनीमत रही कि इस घटना के समय कोई मकान के आसपास से नहीं गुजर रहा था। अन्यथा किसी की जान भी जा सकती थी। क्षेत्रवासियों ने इलाके में खाली पड़े जर्जर मकानों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।दरअसल, लालकुर्ती बड़ा बाजार में पिछले कई सालों से एक मकान बंद पड़ा था।क्षेत्रवासियों के मुताबिक मकान की हालत काफी जर्जर हो चुकी थी। मंगलवार को तेज बारिश में धमाके के साथ पूरा मकान भरभरा कर जमींदोज हो गया। जिसके चलते इलाके में हड़कंप मच गया। मकान का मलबा सड़क पर फैल गया। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर भी देखा। मगर मलबे में किसी के न मिलने पर राहत की सांस ली। गनीमत रही कि घटना के समय कोई राहगीर मकान के आसपास से नहीं गुजर रहा था। वरना मलबे की चपेट में जाकर बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इलाके में कई ऐसे मकान हैं, जो पिछले कई वर्षों से बंद पड़े हैं और जर्जर हालत में हैं। क्षेत्रवासियों ने अधिकारियों से ऐसे सभी मकानों को चिन्हित करते हुए उन पर कार्रवाई की मांग उठाई है। जिससे भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो।

हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंजे शिवालय, कड़ी सुरक्षा में हुआ भगवान आशुतोष का अभिषेक

मेरठ। मेरठ के सदर स्थित ऐतिहासिक औघड़नाथ मंदिर में मंगलवार को तेज बारिश के बीच कांवड़ियों ने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। सुबह से बारिश शुरू होने के कारण मंदिर पहुंचने वाले कांवड़ियों की आवाजाही पर भी इसका असर पड़ा। सुबह मंदिर में जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों की लंबी कतार लगी थी। बारिश तेज होने के बाद शिवभक्तों ने बिना ज्यादा देर रुके तेजी से जलाभिषेक किया और अपने गंतव्य की ओर रवाना होने लगे।

मंगलवार को शिवरात्रि के अवसर पर जिले के सभी शिवालय हर–हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठे। लाखों शिव भक्तों ने औघड़नाथ मंदिर सहित सभी शिवालियों में भगवान आशुतोष का अभिषेक करते हुए अपनी मनोकामना मांगी।

मंगलवार को शिवरात्रि के अवसर पर औघड़नाथ मंदिर सहित शहर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एडीजी भानु भास्कर ने बताया कि पिछले 12 दिन से सभी पुलिसकर्मी दो शिफ्टों में ड्यूटी निभा रहे हैं।

शिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार की सुबह से ही औघड़नाथ मंदिर सहित शहर के तमाम मंदिरों में शिव भक्तों की कतारे लगी रहीं। कांवड़ियों और शिव भक्तों ने दूध और गंगाजल से भगवान आशुतोष का अभिषेक करते हुए अपनी मनोकामना मांगी।

10 बजे तक खत्म हो गई कांवड़ियों की लाइन

बारिश के कारण कांवड़ियों ने मंदिर में ज्यादा देर रुकने के बजाय जल्द जलाभिषेक किया। इसका असर मंदिर परिसर में साफ दिखाई दिया। सुबह करीब 10 बजे तक जलाभिषेक के लिए लगी कांवड़ियों की लाइन पूरी तरह खत्म हो गई। जहां सुबह मंदिर में कतार नजर आ रही थी, वहीं 10 बजे के बाद परिसर काफी खाली दिखाई दिया। सामान्य दिनों की अपेक्षा मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या भी कम रही।

इस दौरान पुलिस ने ड्रोन कैमरों की मदद से भी शिवालियों की निगरानी की। एडीजी ने बताया कि सोमवार की रात तक मेरठ जिले में लगभग चार करोड़ कांवड़िया प्रवेश कर चुके थे। कांवड़ियों की यह संख्या अभी और बढ़ेगी।

महाशिवरात्रि के दिन मंगलवार सुबह से ही मेरठ में मौसम का मिजाज बदला

मेरठ। महाशिवरात्रि के दिन मंगलवार सुबह से ही मेरठ में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। आसमान में घने बादल छाए और कुछ देर बाद तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बारिश से मौसम सुहाना हो गया और पिछले कई दिनों से गर्मी और उमस झेल रहे लोगों को राहत मिली। ठंडी हवाओं के साथ हुई बारिश से तापमान में भी गिरावट महसूस की गई।

सुबह सड़कों पर निकले लोगों को बारिश के कारण गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन कुछ ही देर में शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कें पानी से लबालब हो गईं और निचले इलाकों में पानी जमा होने लगा। कई स्थानों पर बाइक और स्कूटी पानी में बंद हो गईं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुई।

कंकरखेड़ा से सदर तक सड़कों पर पानी, वाहन फंसे

तेज बारिश के बाद शहर के कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव हो गया। कंकरखेड़ा और सदर के मुख्य मार्गों पर कई स्थानों पर घुटनों तक पानी भर गया। दुकानों के अंदर तक पानी पहुंचने से व्यापारियों को भी परेशानी हुई। जली कोठी और शहीद स्मारक के सामने कई मोटरसाइकिल और वाहन पानी में बंद हो गए। ईदगाह चौराहा, मेट्रो प्लाजा, फुटबॉल चौक और बच्चा पार्क क्षेत्र में भी जलभराव देखने को मिला।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल मेडिकल छात्रा से कथित बलात्कार के आरोप में पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को मेडिकल छात्रा से कथित बलात्कार के आरोप में पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार कर लिया गया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर हुई यह गिरफ्तारी गैर–जमानती धाराओं में दर्ज मामले से जुड़ी है, जिसमें उन पर अवैध रूप से कैद करने के आरोप भी हैं।दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर अभिषेक पोरेल को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में मोगरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। रेप का मामला दर्ज होने के बाद अधिकारियों ने बंगाल के इस क्रिकेटर को गिरफ्तार किया। 20 जुलाई को कलकत्ता हाई कोर्ट ने उन्हें मुख्य आरोपी के तौर पर पहचाने जाने के बाद उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया था। हुगली ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह ने बताया कि पोरेल को दम दम पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले इमामी सिटी से गिरफ्तार किया गया।अभिषेक के खिलाफ 19 धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिनमें से ज्यादातर गैर–जमानती अपराध थे। पिछली सुनवाई के दौरान, कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने

हुगली के मगरा पुलिस स्टेशन को अभिषेक के पास मौजूद मोबाइल फोन समेत सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करने का निर्देश दिया था। हुगली पुलिस से उनके द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी देने वाली रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया था।यह मामला मंगलवार, 11 अगस्त को सुनवाई के लिए आया। कार्यवाही के दौरान, मगरा पुलिस स्टेशन ने जज को बताया कि अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे चिनसुराह कोर्ट में पेश किया जाएगा। अभिषेक के खिलाफ दर्ज थ्ट में कहा गया है कि अभिषेक ने शिकायत करने वाली महिला को गैर–कानूनी तरीके से कैद करके रखा। उसने उसे खाना नहीं दिया और जान–बूझकर उसे सबसे अलग–थलग रखा। इसके नतीजे में... महिला शारीरिक रूप से कमजोर हो गई और ठीक से चल–फिर भी नहीं पा रही थी।शिकायत में 2 अप्रैल, 2026 को दिल्ली में हुई एक घटना का जिक्र है। इसमें आरोप लगाया गया है कि महिला को कैद करके रखा गया और खाना नहीं दिया गया, जिससे वह कमजोर हो गई और उसे मेडिकल मदद की जरूरत पड़ी। ये आरोप शिकायत में लगाए गए हैं और अभी तक अदालत में साबित नहीं हुए हैं। शिकायत करने वाली महिला ने आरोप लगाया कि वह अभिषेक के साथ रिश्ते में थी और उनके परिवारों के बीच शादी की बात भी हुई थी।

लार्ड्स टेस्ट स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने जड़े अर्धशतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे ऐतिहासिक एकमात्र टेस्ट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और उपकप्तान स्मृति मंधाना (83) ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली। इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में टीम को शुरुआती झटके लगे थे। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टीम की पारी संभाली। मंधाना के टेस्ट करियर का यह चौथा और हरमनप्रीत के करियर का दूसरा पचासा रहा। ऐसे में आइए दोनो खिलाड़ियों की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।मंधाना ने 108 गेंदों का सामना किया और 83 रन बनाकर इसी वोंग की गेंद पर आउट हुईं। उनके बल्ले से 11 चौके और एक छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 76.85 की रही। वहीं, हरमनप्रीत ने 121 गेंदों का सामना किया और 58 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्हें मैडी विलियर्स ने आउट किया। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच 155 गेंदों में 89 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ मिलकर 72 गेंदों में 64 रन जोड़े।

मंधाना ने अपना पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था। अब तक उन्होंने 9 टेस्ट खेले हैं और इसकी 15 पारियों में 51.28 की औसत के साथ 718 रन बनाने में सफल रहीं हैं। उनके बल्ले से 4 अर्धशतक के अलावा 2 शतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 4 मैचों की 7 पारियों में 40.71 की औसत से 285 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले हैं।हरमनप्रीत टेस्ट करियर में एक भी शतक नहीं लगा पाई हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला 2014 में खेला था। इस खिलाड़ी ने 8 मैच खेले हैं और इसकी 12 पारियों में 26.18 की औसत से 288 रन बनाने में सफल रहीं हैं। उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 69 रन है। इंग्लैंड के खिलाफ 4 टेस्ट की 7 पारियों में उन्होंने 28.66 की औसत से 172 रन बनाए हैं। 58 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाने वाला पहला महिला

टेस्ट मैच है। पुरुषों के पहले टेस्ट के 142 साल बाद इस मैदान पर महिला क्रिकेट को जगह मिली है। इंग्लैंड ने 1937 से अब तक 19 मैदानों पर 55 टेस्ट खेले हैं और लॉर्ड्स उनका 20वां टेस्ट स्थल है।

शांति अधिनियम 2025 के क्रियान्वयन को लेकर नीति आयोग की अहम बैठक, तीन प्रमुख क्षेत्रों पर मंथन

नई दिल्ली । नीति आयोग ने शांति अधिनियम 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की, जिसमें सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव दिए, जो इसके क्रियान्वयन ढांचे को और मजबूत बनाने में सहायक होंगे।

नीति आयोग के अनुसार, इस बैठक में सरकार, नीति–निर्माताओं, शोध संस्थानों और उद्योग से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य शांति अधिनियम 2025 के संचालन को प्रभावी और व्यावहारिक बनाना था।बैठक में चर्चा को कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तीन प्रमुख स्तंभों के आधार पर आयोजित किया गया।पहला, विधायी और नियामकीय ढांचा। इस सत्र में शांति अधिनियम 2025 के तहत तैयार किए गए ड्राफ्ट नियमों, विनियमों और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति से जुड़े प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने कानून के तहत वैधानिक अनुपालन की प्रक्रिया पर विचार–विमर्श किया। साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि किस तरह विदेशी निवेश आकर्षित किया जाए, जबकि देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।दूसरा,

वित्त, बीमा और जनविश्वास। इस सत्र में कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक वित्तीय व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन पर चर्चा की गई।इसमें दीर्घकालिक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्था तैयार करने और आम लोगों के बीच जागरूकता, विश्वास और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीतियों पर भी विचार किया गया।और तीसरा, विनिर्माण, संचालन और क्षमता निर्माण, जिसमें कानून के लागू होने के बाद की संचालन प्रक्रिया पर चर्चा हुई।

इस सत्र में घरेलू विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, परियोजनाओं की संचालन संबंधी तैयारियों को मजबूत करने और कुशल मानव संसाधन विकसित करने पर जोर दिया गया।हितधारकों ने सप्लाई चेन को अधिक मजबूत और लचीला बनाने तथा उद्योग के विस्तार के लिए विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम तैयार करने पर भी सुझाव दिए।यह बैठक नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर अभय करंदीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।शांति अधिनियम 2025 का उद्देश्य भारत को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और विकसित भारत 2047 के तहत निर्धारित स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करना है।इस कानून के माध्यम से निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों की जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे संसाधनों की कमी दूर करने, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

लार्ड्स टेस्ट भारतीय महिला टीम 285 रन पर आलआउट हुई, ऐसा रहा पहले दिन का खेल

नईदिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया है। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में एक विकेट खोकर 21 रन बना लिए थे। स्टंप्स तक माया बाउचर (17') और हीदर नाइट (1') नाबाद थीं। भारतीय टीम की पहली पारी 285 रन पर समाप्त हुई। आइए पहले दिन के खेल और बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम को शुरुआती झटके लगे और एक समय 37 रन के स्कोर पर उसके 2 बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद जेमिमा रोड्रिगेज (35), स्मृति मंधाना (83) और हरमनप्रीत कौर (58) की पारियों के दम पर भारतीय टीम 74.5 ओवर में 285 रन बनाने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए सोफी

एक्लेस्टोन ने 3 विकेट लिए। भारत के लिए क्रांति गौड़ ने एकमात्र विकेट हासिल किया। मंधाना ने 108 गेंदों का सामना किया और 83 रन बनाकर इसी वोंग की गेंद पर आउट हुईं। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनके टेस्ट करियर का यह चौथा अर्धशतक है। इंग्लैंड के खिलाफ इस प्रारूप में उन्होंने तीसरा अर्धशतक लगाया। अब तक उन्होंने 9 टेस्ट खेले हैं और 15 पारियों में 51.28 की औसत से 718 रन बनाई हैं। इस दौरान 2 शतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन रहा है। हरमनप्रीत ने 121 गेंदों में 58 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्हें मैडी विलियर्स ने आउट किया। मंधाना और हरमनप्रीत के बीच 155 गेंदों में 89 रन की साझेदारी हुई। भारतीय कप्तान ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया। इस खिलाड़ी ने अब तक 8 टेस्ट मुकाबले खेले हैं और 12 पारियों में 26.18 की औसत से 288 रन बनाने में सफल रही हैं। वह अपने टेस्ट करियर में एक भी शतक नहीं लगा पाई हैं।

एक्लेस्टोन ने 21.5 ओवर गेंदबाजी की और 2 मेडन के साथ 68 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं, लॉरेन बेल ने 9 ओवर में 50 रन दिए और उन्हें एक सफलता मिली। लॉरेन फिलर ने 13 ओवर में एक मेडन के साथ 40 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, वोंग ने 12 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट लिए। मैडी ने 19 ओवर गेंदबाजी की और एक मेडन के साथ 79 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

चार हफ्तों की तेजी पर लगा ब्रेक, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट्य पश्चिम एशिया तनाव का असर

मुंबई। लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

इस सप्ताह के दौरान निफ्टी 0.26 प्रतिशत फिसला, हालांकि आखिरी कारोबारी दिन इसमें 1.02 प्रतिशत की तेजी आई और यह 24,206 अंक पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स शुक्रवार को 827 अंक (1. 08 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,569 अंक पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 0. 25 प्रतिशत कमजोर रहा।

पूरे सप्ताह बाजार में उतार–चढ़ाव देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक माहौल के साथ हुई, लेकिन बाद में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका–ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजारों में बिकवाली का माहौल बन गया, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। हालांकि, बाजार में यह गिरावट ज्यादा समय तक नहीं रही।

एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही के लिए बैंकिंग और आईटी कंपनियों के बेहतर कारोबारी अपडेट आने से निवेशकों का भरोसा फिर मजबूत हुआ और आगामी तिमाही नतीजों को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

सप्ताह के दूसरे हिस्से में भारतीय शेयर बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली, जिसकी प्रमुख वजह कच्चे तेल की कीमतों का करीब 76 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 71–72 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आना, वैश्विक टेक शेयरों में सुधार और कूटनीतिक प्रयासों को लेकर बढ़ी उम्मीदें रहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहते हैं, तो वित्त वर्ष 2026–27 की कमाई (कॉरपोरेट अर्निंग्स) को लेकर भरोसा और मजबूत होगा। इससे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश भी बढ़ सकता है।

एफआईआई सप्ताह के अधिकांश कारोबारी सत्रों में शुद्ध खरीदार (नेट बायर्स) रहे। वहीं पूरे सप्ताह के दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,670 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और आईटी सेक्टर ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं मीडिया, एफएमसीजी और केमिकल सेक्टर दबाव में रहे।इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने भी प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया। रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल शेयरों में खरीदारी से इन दोनों श्रेणियों को मजबूती मिली।

सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप–100 में 1.36 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप–100 में 1.26 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निकट भविष्य में निफ्टी के लिए 24,300 का स्तर प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) का स्तर रहेगा, जबकि 24,100 तत्काल समर्थन (इमीडिएट सपोर्ट) के रूप में देखा जा रहा है, जिसके बाद 24,000 अगला महत्वपूर्ण सपोर्ट स्तर होगा।

वहीं, बैंक निफ्टी के लिए 57,800–57,700 का दायरा अहम सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि 58,200–58,300 के बीच रेजिस्टेंस देखने को मिल सकता है।

आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों, भारत के महंगाई के आंकड़ों, अमेरिका के कोर महंगाई डेटा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर रहेगी।

एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, हालिया एफओएमसी बैठक के सख्त रुख के बावजूद अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन में महंगाई का दबाव कम हो रहा है और आर्थिक वृद्धि भी धीमी पड़ रही है। ऐसे में उम्मीद बढ़ रही है कि आने वाले समय में प्रमुख केंद्रीय बैंक अपेक्षाकृत नरम मौद्रिक नीति अपना सकते हैं।

एप्पल ने ओपनएआई को घेरा, गोपनीय डेटा और भविष्य के प्रोडक्ट्स की जानकारी चोरी का दावा

नई दिल्ली ।. दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने एआई कंपनी ओपनएआई और उसके हार्डवेयर प्रमुख के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। एप्पल ने आरोप लगाया कि ओपनएआई ने सुनियोजित तरीके से उसके आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी गोपनीय जानकारी, डिजाइन और तकनीकी दस्तावेज हासिल करने की कोशिश की।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे में एप्पल ने कहा कि ओपनएआई के मुख्य हार्डवेयर अधिकारी टैंग टैन ने नौकरी के इंटरव्यू के दौरान एप्पल के कर्मचारियों को कंपनी के आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी जानकारी, कंपोनेंट्स, ड्रॉइंग और अन्य गोपनीय सामग्री साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।टैंग टैन पहले एप्पल में प्रोडक्ट डिजाइन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। उन्होंने आईफोन, एप्पल वॉच, एयरपॉड्स और कंपनी के कई अन्य हार्डवेयर प्रोडक्ट्स का नेतृत्व किया था।

मुकदमे में पूर्व आईफोन हार्डवेयर इंजीनियर चांग लियू का भी नाम शामिल है। एप्पल का आरोप है कि चांग लियू ने ओपनएआई के लिए हार्डवेयर विकसित करने के दौरान गैरकानूनी तरीके से एप्पल की दर्जनों गोपनीय हार्डवेयर फाइलों तक पहुंच बनाई। इन फाइलों में अभी तक लॉन्च नहीं हुए प्रोडक्ट्स से जुड़ी विस्तृत तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग प्रेजेंटेशन शामिल थे।

एप्पल ने यह भी आरोप लगाया कि ओपनएआई ने कई कर्मचारियों को यह सलाह दी कि वे कंपनी छोड़ते समय इस तरह कदम उठाएं, जिससे गोपनीय फाइलों तक उनकी पहुंच बनी रहे।हालांकि, ओपनएआई ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसे किसी दूसरी कंपनी के व्यापारिक रहस्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर ध्यान दे रही है, जो दुनिया भर के लोगों को सशक्त बनाए।हाल के वर्षों में एप्पल और ओपनएआई के बीच करीबी साझेदारी रही है। ओपनएआई ने एप्पल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और सिरी डिजिटल असिस्टेंट के लिए अहम तकनीक उपलब्ध कराई थी। लेकिन पिछले एक साल में दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया। इसकी एक वजह ओपनएआई द्वारा एप्पल के पूर्व चर्चित डिजाइन प्रमुख जॉनी इवे को नए डिवाइस विकसित करने के लिए अपने साथ जोड़ना भी बताया गया है।मुकदमे में एप्पल ने यह भी दावा किया है कि ओपनएआई ने अपने प्रस्तावित आईपीओ से कुछ महीने पहले एप्पल के करीब 400 कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ लिया। एप्पल का आरोप है कि तकनीकी स्टाफ से लेकर मुख्य हार्डवेयर अधिकारी तक, हर स्तर पर ओपनएआई ने अपने व्यावसायिक सहयोगियों के साथ मिलकर एप्पल के व्यापारिक रहस्य और गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की।एप्पल ने अदालत से मांग की है कि ओपनएआई उसके सभी स्वामित्व वाले गोपनीय दस्तावेज और सामग्री नष्ट करे तथा कथित रूप से कॉपी की गई तकनीक को

सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट, निवेशकों की बढ़ी चिंता, खरीदारों के लिए बढ़ा मौका

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में उतार–चढ़ाव के बीच इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना करीब 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी की कीमत में 13,000 रुपये से अधिक प्रति किलोग्राम की कमी आई है।आईबीजेए के अनुसार, 24 कैरेट सोने का भाव इस सप्ताह 2,976 रुपये घटकर 1,43,368 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि पिछले सप्ताह यह 1,46,344 रुपये प्रति 10 ग्राम था।इसी तरह, 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,051 रुपये से घटकर 1,31,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। वहीं, 18 कैरेट सोना 2,232 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो पहले 1,09,758 रुपये प्रति 10 ग्राम था।साप्ताहिक कारोबार के दौरान 8 जुलाई की शाम 24 कैरेट सोने का न्यूनतम भाव 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जबकि 6 जुलाई की सुबह इसका उच्चतम स्तर 1,45,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा।सोने के साथ–साथ चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली। इस सप्ताह चांदी 13,468 रुपये सस्ती होकर 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले सप्ताह इसका भाव 2,33,858 रुपये प्रति किलोग्राम था। चांदी का उच्चतम स्तर 6 जुलाई की शाम 2,33,158 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम स्तर 10 जुलाई की शाम 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।आईबीजेए प्रतिदिन सुबह और शाम दो सत्रों में सोने और चांदी के भाव जारी करता है, जिनका उपयोग देशभर के सर्राफा बाजार में संदर्भ मूल्य के रूप में किया जाता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी करीब 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है।

मृणाल ठाकुर का बास लेडी अवतार, ओवरसाइज्ड् पैंटसूट और स्नीकर्स लुक ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो फैंस का दिल धड़कना तय है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका बॉस लेडी अवतार इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।
मृणाल का यह पावर–पैक और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स के लिए एक परफेक्ट इंस्पिरेशन बन गया है। मृणाल ने इस फोटोशूट के लिए क्लासिक बेज शेड का पिनस्ट्राइप ओवरसाइज्ड पैंटसूट चुना है। उन्होंने ढीला–ढाला ओवरसाइज्ड ब्लेजर पहना है, जिसकी स्लीव्स को थोड़ा ऊपर करके एक कैजुअल लेकिन बॉसी टच दिया गया है। इसके साथ मैचिंग वाइड–लेग ट्राउजर बेहद कम्फर्टेबल और ट्रेंडी लग रहा है।
ब्लेजर के अंदर मृणाल ठाकुर ने सैटिन–लेस नेकलाइन वाला कैमिसोल पेयर किया है, जो पूरे लुक में एक बोल्ड और फेमिनिन टच जोड़ता है।
अपने इस फॉर्मल–कैजुअल फ्यूजन को कंप्लीट करने के लिए मृणाल ने हील्स के बजाय ऑनिटसुका टाइगर स्टाइल के व्हाइट और ब्लू स्नीकर्स पहने हैं, जो उनके लुक को एकदम कूल और ट्रेंडी बनाते हैं।
मृणाल का मेकअप और एक्सेसरीज उनके लुक को और भी निखार रहे हैं। उन्होंने गले में एक यूनीक गोल्डन बम्बू–स्टाइल चोकर नेकपीस पहना है और हाथों में स्टेटमेंट गोल्ड रिंग्स फ्लॉन्ट की हैं।
न्यूड मेकअप टोन, विंग्ड आईलाइनर, गालों पर हल्का ब्लश और ग्लोसी न्यूड–पिंक लिपस्टिक उनके फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाईलाइट कर रहे हैं।तस्वीरों में मृणाल की खूबसूरती और कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। मृणाल का इंटेंस लुक और कैमरे की तरफ देखना फैंस को दीवाना बना रहा है। उनके चेहरे का ग्रेस और बोल्ड एटीट्यूड हर फ्रेम को खास बना रहा है। मृणाल ठाकुर का यह न्यूड पैंटसूट लुक साबित करता है कि पावर ड्रेसिंग में भी एलिगेंस और ग्लैमर का तड़का कैसे लगाया जाता है।

विजय सेतुपति की फिल्म स्लमडाग से तब्बू का फर्स्ट लुक जारी

स्लमडॉग से तब्बू की झलक सामने आई है। विजय सेतुपति स्लमडॉग नाम की फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और इसे शानदार डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ डायरेक्ट कर रहे हैं। मेकर्स ने आज फिल्म में तब्बू की झलक जारी की।इससे पहले, मेकर्स ने तब्बू का फर्स्ट लुक जारी किया था। वह फिल्म में गौरी हेगड़े का किरदार निभा रही हैं। आज उन्होंने तब्बू की झलक जारी की और वह इनकम टैक्स की डिप्टी कमिश्नर के रोल में काफी गंभीर और आक्रामक नजर आईं।फल्म की टैगलाइन 33 टेम्पल रोड है। फिल्म में संयुक्ता, ब्रह्माजी और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है और इसे पुरी कनेक्ट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया गया है।

यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी जैसी कई भाषाओं में रिलीज हो रही है। पुरी जगन्नाथ को इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं क्योंकि उनकी पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थीं।

बाक्स आफिस पर अल्फा को जमकर टक्कर दे रही वेलकम टू द जंगल, बेबी डू डाई डू और काकटेल 2 की रफ्तार धीमी

सिनेमाघरों में इस समय आलिया भट्ट और शरवरी अभिनीत अल्फा तथा अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में दर्शकों का अच्छा समर्थन हासिल कर रही हैं, हालांकि सप्ताहांत के बाद कमाई की रफ्तार में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू अभी तक दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी है। दूसरी ओर कॉकटेल 2 की कमाई अब धीरे–धीरे लाखों तक सिमट गई है।

आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर अल्फा ने रिलीज के शुरुआती दिनों और पहले वीकेंड में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बुधवार को फिल्म ने 2.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो रिलीज के छह दिनों में इसका सबसे कम दैनिक कलेक्शन रहा। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 44.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।
वहीं 26 जून को रिलीज हुई अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। बुधवार को फिल्म ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 122.90 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म अब भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है और टिकट खिड़की पर मजबूती से टिकी हुई है।छोटे बजट में बनी हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू को

अब तक उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं मिल पाए हैं। रिलीज के छह दिनों में फिल्म एक भी दिन एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। बुधवार को इसने 53 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 3.11 करोड़ रुपये पहुंच गया।उधर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत कॉकटेल 2 को रिलीज हुए तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। इसके चलते फिल्म की कमाई अब लगातार घट रही है। बुधवार को फिल्म ने 45 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 93.90 करोड़ रुपये हो गया है।

सलमान खान-संजय दत्त की अंतरराष्ट्रीय फिल्म 7 डाग्स की भारत में रिलीज तारीख का ऐलान

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि की तौयारी में बिजी हैं. उनकी इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं सलमाल खान ने अपनी इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म 7 डॉग्स के बारे में एक बड़ी जानकारी शेयर की है. इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट में रिलीज होने के बाद, फिल्म अब भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.सलमान खान ने ऐलान किया है कि उनकी इंटरनेशनल फिल्म 7 डॉग्स आखिरकार 21 अगस्त को इंडिया के सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म का टीजर शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, सबसे बड़े मिशन के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है! इस घोषणा में बताया गया कि 7 डॉग्स अरब दुनिया की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने वाली हिट फिल्म है और ये भी कन्फर्म किया गया कि इंडियन ऑडियंस आखिरकार इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को बड़े पर्दे पर देख पाएंगी.बता दें, फिल्म का निर्देशन बिलाल फलाह और आदिल एल अरबी ने किया है. ये फिल्म इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट में रिलीज हो चुकी है, जिसमें सलमान खान और संजय दत्त की छोटी लेकिन खास झलक देखने को मिली थी. अब इंडिया में फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद दोनों स्टार्स के फैंस काफी खुश हैं.पिछले साल फिल्म का टीजर सामने आने के बाद सलमान खान और संजय दत्त के फैंस काफी एक्साइटेड हो गए थे. टीजर के पहले ही मिनट में संजय दत्त की झलक दिखाई गई थी,

पेद्दी का दुनियाभर में थिएट्रिकल रन हुआ खत्म, छप्परफाड़ कमाई के साथ बना दिये इतने तगड़े रिकार्ड

राम चरण और जाह्नवी कपूर की बुची बाबू सना निर्देशित पेद्दी का सिनेमाघरों में सफर तकरीबन खत्म हो चुका है. ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं कि इस स्पोर्ट्स ड्रामा का वर्ल्डवाइड और भारत में कितना फाइनल कलेक्शन हुआ है?

पेद्दी ओटीटी के प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर हिंदी को छोड़कर तेलुगु सहित अन्य भाषाओ में रिलीज हो गई है. इसी के साथ इसका ऑफिशियली थिएट्रिकल रन भी पूरा हो गया है. वहीं फिल्म की फाइनल कमाई की बात करें को राम चरण की इस फिल्म ने दुनिया भर में कुल 333 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिसमें भारत से इसने 282 करोड़ रुपये बटोरे थे और विदेशी बाजारों से 51 करोड़ रुपये (5.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर) कमाए हैं.पेद्दी ने देश और दुनियाभर में अच्छी कमाई तो की ही है साथ ही इसने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं. बता दें कि ये फिल्म अब तक की ग्यारहवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉलीवुड फिल्म बन गई है. वहीं अगर सिर्फ तेलुगु–भाषा की कमाई को देखें, तो यह छठे नंबर पर है. वहीं यह फिल्म तेलुगु राज्यों में अब तक की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, यह कोस्टल आंध्र में चौथी और निजाम व सीडेड दोनों क्षेत्रों में छठी सबसे बड़ी फिल्म रही है.बता दें कि राम चरण स्टारर इस फिल्म ने तेलुगु राज्यों वाले अपने घरेलू इलाके में ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस दी. कर्नाटक में भी इसका प्रदर्शन अच्छा रहा. ये हिंदी–डब वर्जन में भी रिलीज हुई थी लेकिन हिंदी में ये खास परफॉर्म नहीं कर पाई.

विदेशी बाजारों में भी ये ठंडी रही जिससे इसके डिस्ट्रीब्यूटर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा.

बॉक्स ऑफिस पर ज्यादातर अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, यह फिल्म मुश्किल से अपनी लागत ही वसूल पाई है.

प्रोड्यूसर को कुछ मुनाफा हुआ है, जबकि डिस्ट्रीब्यूटर्स को लगभग उतनी ही रकम का नुकसान हुआ है, एक समय ऐसा लगा था कि ये फिल्म घाटे का सौदा साबित होगी,

धमाल 4 के साथ खत्म नहीं होगा इस फ्रैंचाइजी का भविष्य, फिल्म में मिला संकेत

अजय देवगन की कॉमेडी–ड्रामा फिल्म धमाल 4 अपनी रिलीज से एक दिन दूर है। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी अपने–अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि निर्माता पूरी तरह आश्वत हैं कि पिछली किस्तों की तरह, धमाल 4 भी सफल होगी। इसका कारण फिल्म के आखिर में मिला जबरदस्त संकेत है।रिपोर्ट के मुताबिक, धमाल 4 के आखिर में इसकी अगली कड़ी को लेकर संकेत दिया गया है। एक सूत्र ने इस बारे में खुलासा करते हुए बताया, धमाल 4 के आखिर में एक ऐसा दृश्य है जो संकेत देता है कि धमाल 5 भी जल्द ही आने वाला है। और पहले 4 भागों की तरह, धमाल 5 भी एक बेहद मजेदार और मनोरंजक फिल्म होने की उम्मीद है, ऐसा उस दृश्य को देखकर लगता है। धमाल की पहली किस्त 2007 में रिलीज हुई थी, जो बॉलीवुड की कल्ट कॉमेडी फिल्मों में शामिल है। साल 2011 में इसकी दूसरी कड़ी धमाल 2 रिलीज हुई, जिसमें कंगना रनौत भी मुख्य किरदार में नजर आई थीं। फिर 2019 में इसकी तीसरी कड़ी आई जिसमें अजय ने प्रवेश किया। उनके साथ अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित भी फिल्म का हिस्सा बने। अब धमाल 4 रिलीज को तैयार है जिसमें रवि किशन,अंजलि आनंद और संजीदा शेख भी शामिल हैं।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं- शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नतरू हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं.

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं.

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी–शर्ट और फ्लिप–फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं.

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ–साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है।इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर–वर्क को–ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं।

रकुल ने चारकोलध्डार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को–ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी–नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है।बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फैब्रिक का बॉडी–हगिंग और नीचे से फ्लेयर्ड स्कर्ट–पैंट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली टोंड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है।

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टील इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें।एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स के फायदेएल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं।स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स के लाभस्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।सेहत पर प्रभावजब बात सेहत की आती है,

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।